RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः354, सोमवार, 9 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

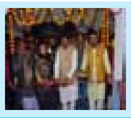
अनवी इंटरप्राइजेज बाईक एजेंसी का भव्य शुभारंभ, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने का संकल्प 03

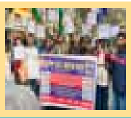
UGC कानून के समर्थन में बैठक, गायघाट से मानिकपुर तक निकाला गया पैदल मार्च 04

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है दो दीवाने सहर में : संदीपा... 07

बीजेपी में 'घर वापसी' की तैयारी में नवजोत सिद्धू!

- कांग्रेस से हटने के बाद नवजोत कौर ने राहुल को कहा 'पप्पू'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल ने शुक्रवार को इसकी औपचारिक घोषणा की। हालांकि, इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के

बाद डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के तेवर और भी तल्ख हो गए हैं। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने राहुल गांधी को 'पप्पू' कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू सक्रिय राजनीति में तभी लौटेंगे जब उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया जाएगा।

गुजरात में डिटर्जेंट और यूरिया से बन रहा था दूध

- फैक्ट्री का भंडाफोड़,71 लाख रुपए का सामान जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा में डिटर्जेंट और यूरिया और अन्य केमिकल का इस्तेमाल करके नकली दूध और छाछ बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। यह फैक्ट्री पिछले 5 सालों से चल रही थी। अधिकारियों ने 71 लाख रुपये का सामान भी जब्त किया है। इस मामले में एक नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया

गया है। यह छापा श्री सत्य डेयरी प्रोडक्ट्स नाम की एक यूनिट पर मारा गया, जहां कथित तौर पर पानी, मिल्क पाउडर, कास्टिक सोडा, रिफाइंड पामोलिन तेल, रिफाइंड सोयाबीन तेल, डिटर्जेंट पाउडर और यूरिया खाद मिलाकर दूध तैयार किया जा रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी 300 लीटर असली दूध का इस्तेमाल करके, उसमें कई तरह के केमिकल मिलाकर रोजाना 1,700 से 1,800 लीटर दूध बनाते थे।

कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता भी नहीं

मलेशिया से पीएम मोदी ने आतंकवाद पर दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशिया के उनके समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने रविवार को रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर तथा व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई पहलों की शुरुआत की। बैठक के बाद मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया एक विशेष संबंध साझा करते हैं और दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा, आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। पीएम मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर इब्राहिम ने उनका स्वागत

किया जो द्विपक्षीय संबंधों में एक नई गति का संकेत है। वार्ता से पहले मोदी का आज सुबह पर्दाना पुत्र में औपचारिक स्वागत किया गया। मोदी ने कहा, भारत और मलेशिया के बीच एक विशेष संबंध है। हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, आज, भारतीय मूल के लोगों की आबादी के मामले में मलेशिया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। हमारी सभ्यताएं, साझा सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्य हमें एक सूत्र में बांधते हैं। मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष आतंकवाद विरोधी उपायों, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम रक्षा सहयोग को और अधिक व्यापक बनाएंगे। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ हम सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व के विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है।

महिला पढ़ी-लिखी तो भी तलाक के बाद गुजारे भत्ते का हक

- सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ दे दिया संदेश,सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में साफ किया है कि तलाक के बाद पति अपनी पूर्व पत्नी के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से केवल इस

आधार पर नहीं बच सकता कि पत्नी शिक्षित है या उसे माता-पिता का सहयोग मिल रहा है। अदालत ने कहा कि विवाह केवल आर्थिक समझौता नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव, साथ और पारस्परिक सहयोग की संस्था है। जस्टिस एस. वी. एन. भट्टी और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि एक महिला सम्मानजनक और स्थिर जीवन की उम्मीद के साथ विवाह में प्रवेश करती है।

114 राफेल फाइटर जेट की डील पर होगी अहम बैठक

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के दौरे से पहले रक्षा मंत्रालय का प्लान तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी के तीसरे सप्ताह में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की यात्रा से पहले रक्षा मंत्रालय भारतीय वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 3.25 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर चर्चा करने की संभावना है। भारतीय वायु सेना के इस प्रस्ताव को पिछले महीने रक्षा खरीद बोर्ड द्वारा प्रारंभिक स्वीकृति दी गई थी। रक्षा स्त्रोतों ने बताया कि यह प्रस्ताव अगले सप्ताह रक्षा मंत्रालय की उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा के लिए उठाया जाएगा। इसे सौदे को वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर भारतीय वायु सेना

की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना केवल लगभग 30 लड़ाकू विमान स्क्वाड्रनों का संचालन कर रही है, जबकि इसकी स्वीकृत संख्या 42 स्क्वाड्रन है। पाकिस्तान और बांग्लादेश व पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती साठगांठ के साथ, खतरे की धारणा अब और बढ़ गई है। यह परियोजनासेना को लंबे समय तक एयरक्राफ्ट की आवश्यकता को पूरा करने में मदद की उम्मीद है।

114 में से 80 फीसदी लड़ाकू विमान भारत में बनेंगे

114 राफेल लड़ाकू विमानों में से लगभग 80 प्रतिशत को भारत में निर्मित करने की योजना है। स्त्रोतों ने बताया कि भारतीय वायु सेना को इस परियोजना के तहत 88 सिंगल-सीटर और 26 ट्विन-सीटर विमानों की प्राप्ति होगी, जिनमें से अधिकांश भारत में डासल्ट और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों के सहयोग से निर्मित किए जाएंगे। एक बार सौदा पूरा होने के बाद, भारतीय वायु सेना के पास 150 राफेल विमानों का बेड़ा होगा, जिसमें भारतीय नौसेना के 26 विमानों का भी समावेश होगा। इन विमानों को एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात किया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के 18 फरवरी को दिल्ली में एआई शिखर सम्मेलन के लिए उपस्थित रहने की उम्मीद है।

भागवत 'उवाच', संघ जब भी कहेगा पद छोड़ दूंगा

संघ चीफ बोले-कोई भी हिंदू आरएसएस प्रमुख बन सकता है

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में रविवार को आरएसएस का शताब्दी वर्ष कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक (आरएसएस प्रमुख) बनता है। भागवत रविवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी। समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर

बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा। आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में। संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो।

खोखली घोषणाओं से पहले दिल्ली जाएं रितु तावड़े

मुंबई से बांग्लादेशियों को निकालने के ऐलान पर बोले संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने मुंबई की नई मेयर रितु तावड़े के बयान पर बड़ा हमला बोला है। संजय राउत ने एक्स पर लिखा है कि मुंबई की होने वाली मेयर, रितु तावड़े ने घोषणा की है कि बांग्लादेशियों को मुंबई से बाहर निकाल दिया जाएगा। बहुत बढ़िया, लेकिन खोखली घोषणाएं करने से पहले, उन्हें सीधे दिल्ली जाना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी से एक सीधा सवाल पूछना चाहिए। संजय राउत ने लिखा है कि केंद्रीय बजट में भारतीय टैक्सपेयर्स का सैकड़ों करोड़ रुपया बांग्लादेश को क्यों दिया गया। क्या यह पैसा बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों को फंड करने के लिए है। क्या यह वहां हिंदुओं की बेरहमी से हत्या और उत्पीड़न को सपोर्ट करने के लिए है। संजय राउत ने रितु तावड़े को चुनौती देते हुए लिखा है कि पहले इस पाखंड का जवाब दें। फिर कार्रवाई की बात करें। गौरतलब हो कि वार्ड संख्या 132 से पार्षद बनी रितु तावड़े मुंबई की नई मेयर बनी हैं। उनके अकेले नामांकन करने से अब सिर्फ औपचारिक ऐलान बाकी है। वह 11 फरवरी को घोषणा के बाद कार्यभार ग्रहण कर सकती हैं। मुंबई में वह बीजेपी की दूसरी और पार्टी की पहली महिला मेयर हैं।

पाकिस्तान जा रहा सिंधु का पानी रोका जाएगा

केंद्रीय मंत्री बोले-केंद्र सरकार ने तैयार की डीपीआर

जयपुर (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा- सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान को नहीं दिया जाएगा। पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोककर भारत के हित में उपयोग किया जाएगा। इस पानी का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली को मिलेगा। उन्होंने कहा- इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से कार्य योजना तैयार की जा रही है। पाकिस्तान जाने वाले पानी को डायवर्ट करने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। हालांकि, जो पानी मजबूरी में छोड़ा जाता है, उस पर उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। पाटिल ने

यह भी बताया कि यमुना जल परियोजना पर काम तेज किया जाएगा, ताकि पानी के बेहतर प्रबंधन और उपयोग से राज्यों को ज्यादा लाभ मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को जयपुर में बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से ये बात कही। 12 सालों में स्थिर गति से आगे बढ़ी भारत की अर्थव्यवस्था देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा- पिछले 12 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर गति से आगे बढ़ी है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रण में रखा है।

यमुना जल परियोजना पर जल्द शुरू होगा काम

यमुना जल परियोजना को लेकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा- यमुना के पानी पर राजस्थान का अधिकार था, लेकिन पिछली सरकारों ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए। अब हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच डीपीआर तैयार करने पर सहमति बन चुकी है। जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू होगा। उन्होंने बताया- पाइपलाइन के जरिए पानी लाने की इस योजना की अनुमानित लागत 77 हजार करोड़ से 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। फिलहाल सबसे कम पानी राजस्थान के पास है, लेकिन आने वाले समय में सबसे अधिक पानी राजस्थान के पास होगा। मुख्यमंत्री इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र से संवाद कर रहे हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा।

बीजापुर और सुकमा में 51 माओवादियों ने किया सरेंडर

24 महिलाएं हैं शामिल, मार्च 2026 है आखिरी डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 माओवादियों के खात्मे की आखिरी डेडलाइन दी है। पिछले कुछ महीनों से लगातार कई बड़े माओवादियों को मार गिराया गया है जबकि

सैकड़ो की संख्या में सरेंडर किया है। इस बीच सुकमा और बीजापुर में 51 माओवादियों ने सरेंडर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वालों में 24 महिलाएं शामिल थीं और जिन पर कुल 1.61 करोड़ रुपये का इनाम था। सरेंडर के बाद बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने कहा,पिछले दो सालों में 2,400 से ज्यादा माओवादी कैडर संगठन छोड़ चुके हैं। प्रशासन सभी इच्छुक कैडरों को सम्मानजनक पुनर्वास के लिए सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की माओवादियों को खत्म करने की मार्च 2026 की समयसीमा करीब आ रही है। बता दें कि हाल ही में अबूझमाड़ में एक मुठभेड़ में एक नक्सली नेता एल प्रभाकर राव और छह अन्य मारे गए थे। सुकमा में 21 कैडरों ने (जिनमें 14 महिलाएं शामिल थीं और जिन पर 76 लाख रुपये का इनाम था) 14 हथियारों के साथ सरेंडर किया। इनमें 120 राउंड वाली तीन एके-47 राइफलें, 40 राउंड वाली दो राइफलें, 50 राउंड वाली राइफलें, पांच सिंगल-शॉट बंदूकें, 20 राउंड वाले तीन बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, 10 जिलेटिन स्टिक, तार और 20 डेटोनेटर शामिल थे।

सीएम सरमा का बड़ा आरोप,केन्द्र को भेजेंगे रिपोर्ट

गौरव गोगोई गुपचुप पाकिस्तान गए थे, ट्रेनिंग भी ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद और असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

- मामले की जांच अब केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी

मुख्यमंत्री का दावा है कि गौरव गोगोई 2013 में बिना जानकारी दिए पाकिस्तान गए थे और वहां किसी तरह का प्रशिक्षण लिया गया हो सकता है। इस मामले की जांच अब केंद्रीय एजेंसी से कराने की तैयारी है। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंता

बिस्वा सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई 2013 में गुपचुप तरीके से पाकिस्तान गए थे और इसकी जानकारी भारतीय अधिकारियों को नहीं दी गई थी।

उन्होंने कहा कि आशंका है कि इस दौरान गोगोई ने वहां किसी प्रकार का प्रशिक्षण लिया हो। मुख्यमंत्री ने यह बयान विधानसभा चुनावों से पहले दिया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई पर भी गंभीर आरोप लगाए। मुख्यमंत्री का दावा है कि एलिजाबेथ भारत में एक संस्था में काम करते हुए देश से जुड़ी जानकारियां इकट्ठा कर पाकिस्तान भेजती थीं।

पाकिस्तान दूतावास की तस्वीर, सीएम ने किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने एक वायरल तस्वीर का भी जिक्र किया, जिसमें गौरव गोगोई युवाओं के साथ पाकिस्तान दूतावास जाते दिखे थे। उस समय भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित थे। हिमंता ने कहा कि इस तरह की गतिविधि से पाकिस्तान को 'वैध ठहराने' की कोशिश की गई। उन्होंने यह भी कहा कि एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में 18 मार्च 2011 से 17 मार्च 2012 तक काम किया था और इस दौरान उनके अली तौकीर शेख से करीबी संबंध बने। मुख्यमंत्री ने अली तौकीर शेख को पर्यावरणविद मानने से इनकार किया। उनका आरोप है कि शेख सिंधु जल संधि और भारत-पाकिस्तान विवाद से जुड़े मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में काम कर रहे थे। रिपोर्ट में अली तौकीर शेख, एलिजाबेथ गोगोई और गौरव गोगोई तीनों के पाकिस्तान से सीधे संबंध होने का दावा किया गया है। इस पूरे विवाद पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पहले ही मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के आरोपों को निराधार बता चुके हैं। गोगोई का कहना है कि यह आरोप मुख्यमंत्री पर लगे आरोपों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। फिलहाल, मामला केंद्र सरकार के पास भेजे जाने की प्रक्रिया में है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में महिला की मौत, पति घायल, दो बच्चे अनाथ

हाजीपुर। वैशाली जिले में ट्रक की टक्कर से 36 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना जढ़ुका कर्णपुरा के पास हुई। मृतका की पहचान सुलतानपुर निवासी तारकेश्वर कुमार सिंह की पत्नी 36 वर्षीय कविता देवी के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार, कविता देवी अपने पति तारकेश्वर कुमार सिंह के साथ बाइक पर हाजीपुर से अपने गांव सुलतानपुर लौट रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने आगे निकलने के प्रयास में बाइक को साइड से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। कविता देवी के सिर में गंभीर चोट लगी। उन्हें और उनके पति को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने कविता देवी को मृत घोषित कर दिया। उनके पति तारकेश्वर कुमार सिंह का इलाज जारी है। मृतक कविता देवी अपने पीछे दो नाबालिग बच्चे छोड़ गई हैं, जिनमें 12 वर्ष की एक बेटी और 8 वर्ष का एक बेटा शामिल है। उनके पति तारकेश्वर कुमार सिंह मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस दुर्घटना से परिवार पर गहरा संकट आ गया है। कविता देवी का अंतिम संस्कार गंगा नदी के तट पर किया गया। इस दुर्घटना पर स्थानीय समुदाय ने चिंता व्यक्त की है। प्रमुख ममता कुमारी, समाजसेवी अभिमन्यु राय, जिला पार्षद मनिंद्र नाथ सिंह, पूर्व प्रमुख अनिल कुमार राय और मुखिया जानती देवी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने दुर्घटना स्थल पर वाहनों की तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने और भविष्य में ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए कड़े उपाय करने की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। ग्रामीणों ने इस हादसे के बाद सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

मुजफ्फरपुर में 5 दिन से लापता बच्चे का शव मिला, घर से 100 मीटर दूर पोखर में मिली लाश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पांच दिनों से लापता पांच साल के बच्चे का शव एक पोखर से मिला है। मृतक की पहचान मोहम्मद जुबैर के बेटे अयान के रूप में हुई है। अयान का शव उसके घर से लगभग 100 मीटर दूर मस्जिद के पास स्थित पोखर से मिला। घटना बेनीबाद थाना क्षेत्र के शिवदाहा बरैल गांव की है। अयान पिछले पांच दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। रविवार को ग्रामीणों ने मस्जिद के समीप पोखर में एक बच्चे का शव देखा, जिसकी सूचना तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान अयान के रूप में की। शव मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने अयान की हत्या कर शव को पोखर में फेंकने का गंभीर आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि बच्चे की सुनियोजित साजिश के तहत हत्या की गई है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भी गहरा आक्रोश है। घटनास्थल पर पहुंचे पंचायत समिति पति विजय कुमार ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू पर बारीकी से काम कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत सार्दुल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे के लापता होने की शिकायत पहले से दर्ज थी और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

मुजफ्फरपुर में प्राइवेट अस्पताल में प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा, ओपीडी में तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में इलाज के दौरान प्राइवेट अस्पताल में एक प्रसूता की मौत हो गई। जिसके बाद परिजन भड़क गए। डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई। घटना बेला थाना क्षेत्र की है। मृतका की पहचान काजल देवी(26) के तौर पर हुई है।

परिजनों ने बताया कि शनिवार दोपहर को डिलीवरी के लिए एडमिट कराया था। एक परिचित की सलाह पर यहां लेकर आया था। एडमिट करने के बाद डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना होगा। ऑपरेशन के दौरान काजल की हालत बिगड़ गई और उसकी जान चली गई। लापरवाही से ही मौत हुई है। आरोप है कि अस्पताल कर्मियों से मौत का कारण पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्टाफ उनसे उलझ गए। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर में तोड़फोड़ की। हालात बेकाबू होते देख डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर बेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस संबंध में थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि एक महिला की प्रसव के दौरान मौत की सूचना मिली थी। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया गया है। आवेदन मिलने का इंतजार है। प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेप की कोशिश मामले में 3 साल की सजा, विशेष पॉक्सो कोर्ट ने दोषी पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग लड़की से रेप की कोशिश मामले में एक दोषी को तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला मीनापुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 11 जून 2024 की शाम को हुई थी। आरोपी संजित राय ने जबरन घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया था। पीड़िता के परिजनों ने मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी संजित राय को गिरफ्तार कर लिया था।

गवाह और साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने दोषी पाया: विशेष पॉक्सो जज धीरेंद्र मिश्र की अदालत में शनिवार को मामले की अंतिम सुनवाई हुई। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने संजित राय को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत दोषी पाया।

जुर्माना नहीं देने पर 6 महीने ज्यादा सजा काटनी होगी: कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को आर्थिक सहायता के तौर पर दी जाएगी।

भाई को लगाई फटकार: इसी मामले में संजित राय के बड़े भाई रंजीत राय पर मारपीट का आरोप था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रंजीत राय को कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में सुधार की चेतावनी देकर छोड़ दिया।

नीट छात्रा मौत केस-दिल्ली में प्रोटेस्ट, पीड़िता की मां शामिल

एजेंसी, पटना

◻ **पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन, सीएम का पुतला फूंका, 'पप्पू यादव को रिहा करो' के नारे लगाए**

पप्पू यादव की गिरफ्तारी और NEET छात्रा की मौत मामले को लेकर पटना से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना में कांग्रेस कार्यकार्ता 'पप्पू यादव को रिहा करो' के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर जलाए और NEET छात्रा के परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग की। वहीं, AISA कार्यकर्ताओं की ओर से जहानाबाद से पालीगंज तक बेटी बचाओ न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर सांसद पप्पू यादव के समर्थन और छात्रा को न्याय दिलाने को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। इसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल हैं। इसमें करीब 10 हजार लोगों के जुटने की संभावना है। इस बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को PMCH से बेऊर जेल ले जाया गया। मौके पर पिरबहोर, गांधी मैदान, कदमकुंआ, गर्दनिबाग समेत 5 थानेदार और DSP मौजूद थे।

पीड़िता की मां ने कहा पप्पू यादव प्रदर्शन में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन हमलोग इस भरोसे के साथ जा रहे हैं कि बेटी को न्याय मिलेगा। सरकार और प्रशासन मेरी बेटी के मामले को दबाने में लगी है। क्या उनकी बेटी, बहन नहीं हैं। हमने उनलोगों का क्या बिगाड़ा था..?हमलोगों को SIT की जांच पर भरोसा नहीं है। मामला CBI को दे दिए हैं।

पप्पू यादव के समर्थन में तेजस्वी: इधर, पप्पू यादव के समर्थन में अब तेजस्वी भी उतर गए हैं। तेजस्वी ने कहा है, आजकल तानाशाही चल ही रही है। दोषियों को बचाया जाता है, निर्दोषों को फंसाया जाता है। NEET छात्रा मामले में तो कई बार हम लोगों ने ट्वीट किया है और लिखा भी है। विधानसभा में लगातार हमारे MLA, हम सब मामले को उठा रहे हैं।

गोपालगंज-बेतिया, बगहा में घना कोहरा, सीवान का पारा पहुंचा 9°

एजेंसी, पटना

♦ **पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, बिहार में 13 फरवरी से बढ़ेगा तापमान**

बिहार में सुबह-शाम हल्के कोहरे का दौर जारी है। रविवार की सुबह बेतिया, गोपालगंज और बगहा में घना कोहरा छाया रहा। पटना समेत कई जिलों में पछुआ हवा के चलते कनकनी बढ़ी हुई है। बगहा, गोपालगंज में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। जहानाबाद में मौसम साफ है, लेकिन हवा चलने के कारण ठंड बढ़ी हुई है। मौसम विभाग की ओर से आज किसी भी जिले के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। फिलहाल प्रदेश का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले समय में 1-2 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

वहीं, 12 फरवरी के बाद तापमान बढ़ सकता है। बीते 24 घंटे में गोपालगंज सहित कुछ जिलों में कोहरा दिखा। पटना में भी कनकनी रही। तेज हवा चलने से दिन में भी लोगों को ठंड का अहसास हुआ। शनिवार को राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस सीवान के जीरादेई में रिकॉर्ड किया गया। वहीं गया में न्यूनतम तापमान 9.6, औरंगाबाद में 9.7, डेहरी में 10.5 और शेखपुरा में 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर बिहार के कई जिलों में भी सुबह के समय हल्की ठंड बनी रही।

कई जिलों में न्यूनतम तापमान में बदलाव: पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया। मुजफ्फरपुर में 12.3 डिग्री, वैशाली में 12.0 डिग्री, छपरा में 11.7 डिग्री और मधुबनी में 11.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में रात का तापमान अधिक रहा। कैमूर में 16.1 डिग्री, बांका में 16.4 डिग्री, नालंदा (राजगीर) में 13.5 डिग्री और सासाराम में 12.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

पप्पू यादव को तेजस्वी यादव का खुला समर्थन, सीबीआई जांच पर उठाए सवाल

बोले—दोषियों को बचाया, निर्दोषों को फंसाया जा रहा

एजेंसी, पटना

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद उन्हें लगातार राजनीतिक समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बाद अब आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी खुलकर उनका समर्थन किया है। विपक्षी दल इस गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता रहे हैं। पप्पू यादव को 31 साल पुराने एक मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिसको लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

दोषियों को बचाकर निर्दोषों को फंसाया जा रहा- तेजस्वी: दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव ने NEET छात्रा मामले और पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कहा, 'आजकल तो तानाशाही चल ही रही है। दोषियों को बचाया जाता है, निर्दोषों को फंसाया जाता है। NEET छात्रा मामले में तो कई बार हम लोगों ने ट्वीट किया है और लिखा भी है। विधानसभा में लगातार हमारे एमएलए, हम सब मामले को उठा रहे हैं।'

NEET छात्रा केस की CBI जांच पर उठाए सवाल: तेजस्वी ने सीबीआई जांच को लेकर कहा कि, हम पहले भी बोले कि सीबीआई जांच हो रहा है तो उस जांच का क्या मतलब है? पहले भी बिहार के कई मामले की सीबीआई जांच कराई गई। आप देखिएगा जो बिहार का सृजन घोटाला है, बालिका गृह कांड है, नागुणा मामला है, सब ठंडे बस्ते पर चला गया।

बिहार बजट पर नीतीश सरकार को घेरा: तेजस्वी ने आगे कहा कि, 'बिहार में लगातार एनडीए की सरकार 20 साल से है और 20 साल से बिहार देश का सबसे फिसड्डी राज्य है। कई बजट एनडीए की सरकार ने पेश किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बिहार जहां था, वहीं खड़ा है।'

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर प्रतिक्रिया: राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर तेजस्वी बोले, 'पार्टी के लोगों ने बड़ी जिम्मेवारी दी है, उस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया जाएगा। आने वाले समय में पार्टी के संगठन को और मजबूत किया जाएगा और जनता की आवाज को बुलंदियों के साथ हम लोग उठाते रहेंगे।'

पुलिस गाड़ी हुई खराब, सड़क पर धक्का लगाते दिखे जवान

एजेंसी, पटना

◻ **पटना में हाईटेक पुलिस के दावों की खुली पोल, लोगों ने बनाए वीडियो**

पटना की पुलिस व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर सड़क पर नजर आई। शहर के सबसे व्यस्त और वीआईपी मूवमेंट वाले वीरचंद पटेल पथ पर कोतवाली थाना की एक पुलिस गाड़ी अचानक खराब हो गई। हालात ऐसे बने कि कानून-व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों को अपनी ही गाड़ी को सड़क पर धक्का लगाते देखा गया। डिजिटल की टीम ने इस पूरी घटना को अपने कैमरे में कैद कर किया। तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही शहर में चर्चा का विषय बन गया है।

राहगीर भी रुके, लोगों ने बनाए वीडियो: तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि वर्दीधारी पुलिस अधिकारी और जवान व्यस्त सड़क पर पुलिस वाहन को धक्का दे रहे हैं। यह नजारा देखकर कई राहगीर रुक गए और कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

तकनीकी खराबी बनी वजह: बताया जा रहा है कि पुलिस गाड़ी अचानक तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई थी। मौके पर उसे हटाने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद नहीं थी। मजबूरी में जवानों को गाड़ी को धक्का देकर सड़क से हटाना पड़ा। आधुनिक संसाधनों, हाईटेक वाहनों और फौरन कार्रवाई के दावों के बीच यह नजारा कई गंभीर सवाल खड़े करता है। जब आपातकालीन ड्यूटी में इस्तेमाल होने वाली पुलिस गाड़ियां ही भरोसेमंद नहीं होंगी, तो क्राइम से लेकर वीआईपी मूवमेंट और इमरजेंसी हालात में फौरन कार्रवाई कैसे संभव होगी? खास बात यह है कि वीरचंद पटेल पथ वही इलाका है, जहां से अक्सर वीआईपी, मंत्री और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गुजरते हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार पुलिस वाहनों की खराब हालत और रखरखाव की कमी सामने आ चुकी है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

♦ **पटना के सदाकत आश्रम में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया, राहुल-प्रियंका ने दिया समर्थन**

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर उनके समर्थकों में काफी आक्रोश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी पप्पू यादव का साथ दिया है। आज बिहार कांग्रेस पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर एक प्रदर्शन किया। प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। पप्पू यादव पर कार्रवाई ऐसे वक्त हुई है, जब पटना में NEET छात्रा के रेप के बाद हत्या का मामला तूल पकड़ चुका है। पप्पू यादव इस केस को लेकर सरकार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोले हुए थे।

देर रात हुई थी पप्पू यादव की गिरफ्तारी: शुक्रवार देर रात पप्पू यादव को मंदिरी स्थित उनके आवास से 31 साल पुराने एक केस में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पप्पू यादव बेहोश हो गए। कुछ देर बाद पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा, 'मुझे नहीं पता मेरा क्या होगा।' शनिवार देर रात उन्हें पटना के बेऊर जेल में लाया गया। वहां एंट्री होने के बाद इलाज के लिए उन्हें PMCH लाया गया। 2 फरवरी को इस केस में कुर्की-जब्ती का वारंट जारी किया गया था। सांसद समर्थक सड़क पर उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया। आरा में उनके समर्थकों ने CM नीतीश का पुतला फूंका।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्हें X पर लिखा, 'पटना में NEET की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी षड्यंत्र को उजागर कर दिया है। पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की तो वही पुराना भाजपा-NDA मॉडल सामने आ गया- केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो।'

यह बिहार की बेटी की इज्जत और सुरक्षा का सवाल- राहुल गांधी: राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है कि, 'इस बेटी के लिए न्याय की आवाज़ बनकर साथी सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए। आज उनकी गिरफ़्तारी साफ़ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है, ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज़ को डराया और दबाया जा सके।' उन्होंने आगे लिखा, 'सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना किसी एक मामले तक सीमित नहीं दिखती। यह एक भयावह साज़िश और खतरनाक पैटर्न की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता इस खौफ़नाक सच्चाई से आंखें मूंद कर बैठी है। यह राजनीति नहीं, इंसाफ़ का सवाल है। यह बिहार की बेटी की इज्ज़त और सुरक्षा का सवाल है।'

भाजपा की सरकार आरोपियों के साथ खड़ी है: दूसरी ओर प्रियंका गांधी ने लिखा कि, 'पटना के हॉस्टल में NEET की तैयारी कर रही छात्रा के साथ रेप और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह केस सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। FIR दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक-सबकुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है?'

पटना में बच्चों से ढुलवाई गईं स्कूल की किताबें

एजेंसी, पटना

पटना में बाढ़ अनुमंडल के एकडंगा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसत्थू में शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीन तस्वीर सामने आई है। यहां पांचवीं और सातवीं कक्षा के छात्रों को निःशुल्क मिलने वाली पुस्तकों के भारी बंडल सिर पर ढोते हुए देखा गया। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। छात्रों ने बताया कि वे यह काम स्कूल के शिक्षक के आदेश पर कर रहे थे।

ई-रिक्शा से आईं किताबें, बच्चों से कराई गई ढुलाई: जानकारी के अनुसार, निःशुल्क वितरित की जाने वाली किताबें दो ई-रिक्शा से बाढ़ प्रखंड के संकुल कार्यालय से स्कूल लाई गई थीं। लेकिन ई-रिक्शा चालकों ने स्कूल परिसर तक किताबें पहुंचाने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्चों को ही किताबें सिर पर लादकर स्कूल तक ले जाने को कहा गया।

वीडियो बनता देख प्रभारी ने संभालने की कोशिश की: घटना के दौरान विद्यालय के प्रभारी मोहम्मद शकील अहमद मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि जब उन्होंने ई-रिक्शा चालक को वीडियो बनाते देखा तो मामला दबाने की कोशिश की। प्रभारी ने चालक से कहा कि किताबें स्कूल तक पहुंचाने के बाद ही भुगतान किया जाएगा।

8वीं के छात्र ने लगाया सीधा आरोप: आठवीं कक्षा के छात्र शिवम कुमार ने बताया कि ये किताबें उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसत्थू की ही हैं। उसने आरोप लगाया कि विद्यालय प्रभारी शकील अहमद ने ही उसे और अन्य छात्रों को किताबें ढोने का काम सौंपा था।

'न्याय प्रक्रिया पर भरोसा रखें, दोषी रहेंगे तो बचेंगे नहीं'

एजेंसी, हाजीपुर

♦ **पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर चिराग पासवान बोले- किसी सांसद को बिना सबूत अरेस्ट नहीं किया जा सकता**

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को हाजीपुर के वैशाली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए पप्पू यादव पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, अगर आपके कर्म सही हैं तो डरने की जरूरत नहीं है। देश की न्यायिक व्यवस्था निष्पक्ष है। किसी निर्दोष के साथ गलत नहीं होगा। हाजीपुर परिसदन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा, आपने किसी के साथ गलत नहीं किया है तो आपके साथ भी गलत नहीं होगा, लेकिन अगर गुनाह किया है तो कोई भी नहीं बचेगा।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी को बताया न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा: पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा, यह पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा, किसी भी सांसद या जनप्रतिनिधि को बिना ठोस आधार या सबूत के गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। उन्होंने माना कि गिरफ्तारी के वक्त जिस तरह का माहौल बना, वह उचित नहीं था। मंत्री ने कहा, जिस तरीके से एक भय का वातावरण बनाया गया, वह शोभा नहीं देता। उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए था।

एजेंसियों के पास जरूर होंगे पुख्ता प्रमाण: चिराग ने आगे कहा, जांच एजेंसियां किसी भी कार्रवाई से पहले साक्ष्य और तथ्यों की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, बिना किसी ठोस आधार के किसी सांसद पर ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती। एजेंसियों के पास निश्चित ही ऐसे प्रमाण होंगे जिनके आधार पर गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने दोहराया कि NDA सरकार में किसी निर्दोष को नुकसान नहीं होगा, जबकि दोषियों को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा।

कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना: चिराग पासवान ने विपक्ष पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियां हमेशा बदले की राजनीति का आरोप लगाती हैं, जबकि यह गिरफ्तारी कानून के तहत की गई कार्रवाई है। उन्होंने कहा, यह बदले की राजनीति नहीं, बल्कि कानून का पालन है। दोषी चाहे कोई भी हो, कानून की नजर में सब बराबर हैं।

31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार हुए सांसद: पटना पुलिस ने पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को 6 फरवरी 2026 की देर रात गिरफ्तार किया। यह मामला 31 साल पुराना है और गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में दर्ज धोखाधड़ी (420), जालसाजी (468) और आपराधिक साजिश (120B) से जुड़ा है। शनिवार (7 फरवरी) को उन्हें पटना की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तबीयत बिगड़ने पर PMCH में भर्ती: गिरफ्तारी के बाद पप्पू यादव की तबीयत खराब होने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्हें PMCH में भर्ती कराया गया है। उनकी जमानत याचिका पर 9 फरवरी 2026 को सुनवाई होने की संभावना है। फिलहाल इस मामले को लेकर बिहार की राजनीति में हलचल तेज है।

संक्षिप्त समाचार

सोखता में डूबने से ढाई वर्षीय बालक की मौत

बीएनएम @ मोतिहारी/आदापुर। भारत-नेपाल सीमावर्ती आदापुर थाना क्षेत्र के लालाछापरा गांव में पानी की सोखता में डूबने से ढाई वर्षीय बालक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पहचान गांव निवासी सूरज यादव के पुत्र संदेश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि शनिवार को बच्चा रोज की तरह घर के दरवाजे पर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में नथुनी मियां के दरवाजे पर बने पानी की सोखता में गिर गया। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों ने उसे सोखता से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर आदापुर थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया।

वाहन जांच में चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जितना थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच के क्रम में एक मोटरसाइकिल की जांच की गई, जो चोरी की पाई गई। पुलिस जांच में पुष्टि हुई कि उक्त वाहन से संबंधित मामला चिरैया थाना कांड संख्या-314/22 में दर्ज है। इस कार्रवाई में पुलिस ने श्याम किशोर कुमार (पिता– छोटेलाल प्रसाद), निवासी अगरवा, थाना जितना, जिला पूर्वी चंपारण को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि बरामदगी में एक चोरी की मोटरसाइकिल शामिल है। अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपी के घर कुर्की की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। पिपरा थाना कांड संख्या 338/25 (हत्या के प्रयास) में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार महुआवा गांव निवासी वीरेंद्र सिंह (पिता– सजावल सिंह), थाना पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण के आवास पर विधिवत कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए संपत्ति कुर्क की गई। बताया गया कि अभियुक्त मामले में फरार चल रहा है। पुलिस ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

ट्रैक्टर की ठोकर से 10 वर्षीय बच्चे की मौत, चालक हिरासत में

बीएनएम @ मोतिहारी : जिले के आदापुर थाना क्षेत्र के मूर्तियां गांव में मिट्टी ढुलाई कर रहे एक ट्रैक्टर की ठोकर से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी मुकेश राम के पुत्र नीरज कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान ने बताया कि बच्चा गांव की मुख्य सड़क पर था, तभी मिट्टी लेकर जा रहे ट्रैक्टर ने उसे ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। चालक की पहचान बनहरबा विशुनपुरवा गांव निवासी सरोज कुमार चौरसिया के रूप में हुई है, जो ट्रैक्टर लेकर अपने गांव से महुआवा की ओर जा रहा था।

465 लीटर चुलाई शराब और चोरी की बाइक बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के मुसवा गांव में पुलिस ने रविवार को छापेमारी कर भारी मात्रा में चुलाई शराब और चोरी की एक बाइक बरामद की है। इस कार्रवाई में एक शराब कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मुसवा गांव निवासी कपिल देव सहनी के पुत्र राधेश्याम कुमार को पहले 15 लीटर चुलाई शराब के साथ पकड़ा गया। आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने पुनः छापेमारी की, जिसमें 450 लीटर चुलाई शराब और एक पैशन बाइक बरामद हुई। जांच के दौरान बाइक के नंबर और चेचिस की पड़ताल की गई, जिसमें वाहन चोरी का निकला। इस संबंध में रघुनाथपुर थाने में पहले से प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस ने बरामद शराब और बाइक को जब्त कर लिया है तथा गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

"शिक्षा या शोषण? निजी स्कूलों की मनमानी पर सवाल"

सागर सूरज

शोषण सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक भी है। बच्चों को डांटना, अपमानित करना, और अभिभावकों द्वारा सवाल उठाने पर बच्चे को निशाना बनाना या नाम काटने की धमकी देना गंभीर चिंता का विषय है

मोतिहारी। निजी स्कूलों में शिक्षा अब सेवा नहीं, बल्कि मुनाफे का जरिया बनती जा रही है। पूर्वी चम्पारण में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा निजी स्कूलों के कथित शोषण के खिलाफ चलाए गए अभियान के बावजूद ज़मीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नज़र नहीं आ रहा। आदेश, चेतावनी और निरीक्षण अपनी जगह हैं, लेकिन छात्रों और अभिभावकों की परेशानियां जस की तस बनी हुई हैं।

सबसे बड़ा शोषण मनमानी फीस वृद्धि के रूप में सामने आ रहा है। कई निजी स्कूल हर साल बिना किसी ठोस कारण के फीस बढ़ा देते हैं। ट्यूशन फीस के अलावा डेवलपमेंट चार्ज, एक्टिविटी फीस, स्मार्ट क्लास और री-एडमिशन जैसे अलग-अलग हेड बनाकर वसूली की जा रही है। फीस समय पर न देने पर बच्चों को कक्षा से बाहर करना या रिजल्ट रोकना अब आम बात हो गई है।

दूसरा बड़ा बोझ किताब-कॉपी और यूनिफॉर्म को लेकर है। स्कूलों द्वारा तय दुकानों से ही

महंगी किताबें और ड्रेस खरीदने का दबाव बनाया जाता है। स्कूल का नाम छपा हुआ यूनिफॉर्म, बेल्ट और जूते बाहर से लेने पर रोक है। हर साल नया एडिशन बदलने से पुरानी किताबें बेकार हो जाती हैं, जिससे मध्यम और गरीब वर्ग के अभिभावक आर्थिक दबाव में आ जाते हैं।

एडमिशन और रजिस्ट्रेशन फीस भी शोषण का बड़ा जरिया बन चुकी है। इन फीसों का कोई स्पष्ट सरकारी पैमाना नहीं है। ट्रांसफर सर्टिफिकेट देने के बदले भी कई स्कूलों पर पैसे मांगने के आरोप लगते रहे हैं। वहीं, कोरोना काल खत्म होने के बाद भी ऑनलाइन क्लास और डिजिटल प्लेटफॉर्म के नाम पर ऐप, आईडी और कई तरह के चार्ज वसूले जा रहे हैं, जिनका कोई पारदर्शी हिसाब नहीं दिया जाता।

शोषण सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक भी है। बच्चों को डांटना, अपमानित करना, और अभिभावकों द्वारा सवाल उठाने पर बच्चे को निशाना बनाना या नाम काटने की धमकी देना गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत 25 प्रतिशत गरीब बच्चों के नामांकन के नियमों की भी खुलेआम अनदेखी हो रही है।

प्रशासनिक स्तर पर ज़रूरत है कि फीस नियंत्रण कानून को सख्ती से लागू किया जाए, हर जिले में फी रेगुलेशन कमिटी सक्रिय हो, किताब-ड्रेस में खुली छूट मिले और शिकायतों पर तय समय में कार्रवाई हो। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की नियमित जांच के बिना निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगना मुश्किल है।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवल ने निजी स्कूलों के संचालकों के विरुद्ध सख्त आदेश जारी किया है और अनुमंडल स्तर के अधिकारियों ने चंद बड़े स्कूलों मे जाकर शोषण रोकने और शिक्षा के अधिकार के तहत 25% फ्री मे गरीब बच्चों को पढ़ाने की हिदायत दी है।

श्रीमद्भागवत कथाः कमजोर बैरिकेडिंग पर पुलिस सख्त, आयोजक को नोटिस; 6 दिन की कथा में 100 पुलिस बल तैनात

सागर सूरज/ अमलेश कुमार

मोतिहारी। रक्सौल में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार निर्देश दिए जाने के बावजूद आयोजन स्थल पर समुचित और मजबूत बैरिकेडिंग नहीं की गई। कमजोर बैरिकेडिंग ही भीड़ के बेकाबू होने और अव्यवस्था की मुख्य वजह बनी, जिसके चलते आयोजन समिति को नोटिस जारी किया गया है।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि यह कथा कुल छह दिनों तक चलने वाली है और शेष दिनों में किसी भी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले ही स्पष्ट गाइडलाइन दी गई थी, लेकिन आयोजकों ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। इसी लापरवाही के कारण हालात बिगड़े और श्रद्धालुओं की सुरक्षा खतरे में पड़ी।

पुलिस प्रशासन ने अब पूरे आयोजन को संवेदनशील मानते हुए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। एसपी के अनुसार, कथा स्थल पर करीब 100 पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दंगा नियंत्रण दस्ता, वज्र पार्टी और चार क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

प्रशासनिक स्तर पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। एसडीएम, एसडीपीओ और संबंधित थाना प्रभारी स्वयं मौके पर मौजूद रहकर हालात पर नजर रखे हुए हैं। भीड़ प्रबंधन, प्रवेश और निकास मार्ग, बैरिकेडिंग तथा वीआईपी और आम श्रद्धालुओं की व्यवस्था को लेकर दोबारा समीक्षा की जा रही है।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने साफ किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। आयोजकों को निर्देश दिया गया है कि वे तुरंत मजबूत बैरिकेडिंग कराएं, भीड़ नियंत्रण के लिए स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ाएं और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें।

प्रशासन की इस सख्ती के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में कथा का आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न होगा।

एमजीसीयू में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) का पुनर्गठन

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्युएसी) का पुनर्गठन किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर नई संरचना को अधिसूचित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव को आईक्युएसी का अध्यक्ष बनाया गया है। उनके नेतृत्व में प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा शोध गुणवत्ता को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य करेगा। नवगठित समिति में शिक्षाविदों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योग जगत एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, ताकि गुणवत्ता संबंधी नीतियों में बहुआयामी दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके। बाह्य विशेषज्ञ सदस्यों में प्रो. शिल्पी वर्मा (बीबीएयू, लखनऊ), डॉ. आशुतोष शरण (एमएस शरण नर्सिंग होम, मोतिहारी) तथा श्री दीपक कुमार (एसपीएम, आईओसीएल, मोतिहारी) शामिल हैं। विश्वविद्यालय के भीतर से गांधी भवन के निदेशक एवं मुख्य नियन्ता प्रो. प्रसून दत्त सिंह, ओएसडी (वित्त) प्रो. विकास पारीक, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. आर.के. चौधरी, एलुमनाई सेल के अध्यक्ष प्रो. रफीक-उल-इस्लाम, प्रेसिडिंग ऑफिसर प्रो. शाहाना मजूमदार, खेल परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा, प्लेसमेंट सेल की समन्वयक प्रो. सपना सुगंधा, कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला, ओएसडी (प्रशासन) डॉ. सच्चिदानंद सिंह, समाजशास्त्र विभाग की डॉ. स्वेता, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्याम नंदन तथा शिक्षा शास्त्र विभाग के डॉ. पैथलोथ ओंकार को सदस्य बनाया गया है। प्रो. प्रणवीर सिंह, निदेशक आईक्युएसी, समिति के सदस्य-सचिव नियुक्त किए गए हैं। समिति का कार्यकाल दो वर्षों का होगा अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। आईक्युएसी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करेगा। प्रकोष्ठ की बैठक प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार आयोजित की जाएगी, जिसमें दो-तिहाई सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होगी। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आईक्युएसी का पुनर्गठन विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक पारदर्शिता, अनुसंधान गतिविधियों और छात्र-हितैषी नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा।

घोड़ासहन पर भू-माफियाओ का साया : एक ही व्यक्ति पर अलग अलग लोगों का आरोप

» **जांच के भरोसे सच्चाई- जयसवाल पर प्राथमिकी दर्ज**

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण के घोड़ासहन थाना क्षेत्र से जुड़े जमीन विवाद और आपराधिक आरोपों का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस प्रकरण में सूरज कुमार जायसवाल पर भू-माफिया होने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जबकि सोनेम राज और आकाश कुमार चौधरी ने अलग-अलग आवेदन और दस्तावेज़ों के माध्यम से अपने-अपने आरोप सामने रखे हैं।

पुलिस के अनुसार, कुछ मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है और जांच की प्रक्रिया जारी है।

दस्तावेज़ों के आधार पर लगाए गए आरोपों में कहा गया है कि संबंधित जमीन को लेकर दबाव, धमकी और अवैध कब्जे की कोशिशें हुईं।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि प्रभाव और कथित नेटवर्क के सहारे जमीन विवाद को आपराधिक रंग दिया गया। प्राथमिकी में उल्लेखित तथ्यों के अनुसार, पूर्व के कांडों, गवाहों और दस्तावेज़ों की जांच कराई जा रही है ताकि आरोपों की सत्यता परखी जा सके।

वहीं, आकाश कुमार चौधरी की ओर से दिए गए आवेदन में यह कहा गया है कि आरोपी सूरज पर कई गंभीर आरोप है, लेकिन ज़ब उनके गतिविधियों को पत्रकार लिखता है तो उसपर फर्जी मुकदमा किया जाता है।

उनका दावा है कि इनकी गतिविधियों की निष्पक्ष जाँच हो। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि सभी तथ्यों की जांच होने पर वास्तविकता सामने आएगी।

सोनेम राज द्वारा लगाए गए आरोपों में भी जमीन से जुड़े कथित अनियमितताओं और दबाव की बात कही गई है, जिनकी पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी।

इस पूरे मामले में सूरज कुमार जायसवाल का पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका कोई बयान प्राप्त नहीं हो सका।

थाना प्रभारी संजीव कुमार का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज हो गयी है, आरोपों की जाँच हो रही है। सभी पक्षों के बयान, दस्तावेज़ी साक्ष्य और कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखकर निष्पक्ष जांच की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कानून के अनुसार कार्रवाई होगी।

सोनेम और आकाश चौधरी दोनों ही घोड़ासाहन के स्थानीय निवासी है जिन्होंने अपने आरोपों मे घोड़ासाहन मे सक्रिय एक गैंग और स्थानीय राजनेताओं और कुछ स्थानीय आधिकारियों से उसके सांठ गांठ की जाँच की मांग बिहार के सभी वरीय आधिकारियों से लिखित मे की है।

यूजीसी कानून के विरोध में आदापुर में सवर्ण समाज की बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के आदापुर प्रखंड के डुबहा गांव में रविवार को सवर्ण समाज की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें यूजीसी से जुड़े वर्तमान कानून और प्रावधानों पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने इन प्रावधानों पर अपनी आपत्ति जताते हुए इसे भविष्य के लिए चिंताजनक बताया। बैठक की अध्यक्षता अनिल राय ने की, जबकि संचालन पवन सिंह ने किया। उपस्थित लोगों ने एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि अपने अधिकारों और मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यह संघर्ष किसी वर्ग विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। बैठक को विमल सिंह, रामशब्द सिंह, जय प्रकाश सिंह, सुभाष सिंह, संजय सिंह, बिरेंद्र सिंह, मनोज सिंह, लालबाबू सिंह, विक्रमा सिंह, प्रमोद सिंह, अजय सिंह और नरेंद्र सिंह सहित कई लोगों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि मांगों पर सरकार के स्तर पर विचार होने तक आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में बिट्टू दुबे, विनोद सिंह, राजेश सिंह, कौशल किशोर तिवारी, निलेश सिंह, प्रदीप कुमार, अनीश सिंह, मुरारी सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में प्रतिबंधित मदिरा जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी

रविवार को लगभग 06:30 बजे आ-सूचना के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटर साइकिल पर अवैध सामान लेकर नेपाल से भारत की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर सीमा स्तम्भ संख्या 367/02 से लगभग 150 मीटर की दूरी पर, सैनिक रोड के पास गश्ती दल द्वारा निगरानी की गई। समय लगभग 07:00 बजे नेपाल की ओर से नजदीकी गाँव धुनकी बलुआ की तरफ से एक व्यक्ति मोटर साइकिल पर कुछ सामान लेकर भारत की ओर आता दिखाई दिया। जैसे ही मोटर साइकिल सवार सैनिक रोड पर पहुँचा, गश्ती दल द्वारा उसे रोकने का प्रयास किया गया। इस पर वह व्यक्ति मोटर साइकिल व सामान छोड़कर उसी रास्ते से नेपाल की ओर भाग गया। गश्ती दल द्वारा उसका पीछा किया गया, लेकिन वह नेपाल सीमा में प्रवेश कर भागने में सफल रहा। इसके उपरांत मौके पर छोड़ी गई मोटर साइकिल व सामान की गहन जाँच की गई। मोटर साइकिल पर रखे गए दो जूट के बोरों की तलाशी लेने पर उनमें से कस्तूरी (निम्बू फ्रेश) की 240 बोतलें (प्रत्येक 300 मि.ली., कुल 72 लीटर) तथा एम्बिशन नेपाली शराब की 29 बोतलें (प्रत्येक 300 मि.ली., कुल 8.7 लीटर) बरामद की गईं। जब्त की गई प्रतिबंधित मदिरा को आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु संबंधित पुलिस थाना को सुपुर्द कर दिया गया है।

अनवी इंटरप्राइजेज बाईक एजेंसी का भव्य शुभारंभ, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने का संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के हरसिद्धि प्रखंड अंतर्गत के गायघाट चौक स्थित बिहार ग्रामीण बैंक के सामने मेन रोड मोतिहारी–अरेराज मार्ग पर अनवी इंटरप्राइजेज (E-Ashwa Bike) प्रतिष्ठान का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह प्रतिष्ठान इलेक्ट्रिक बाइक के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और स्मार्ट परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरसिद्धि के पूर्व विधायक राजेंद्र राम तथा मोतिहारी की मेयर प्रीति गुप्ता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि, स्थानीय नागरिक, साथी और शुभचिंतक भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान के उद्घाटन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रतिष्ठान के संचालक अवनीश कुमार यादव ने बताया कि उनका उद्देश्य लोगों को किफायती और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सहयोग और आशीर्वाद की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे और नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

31 साल पुराने मामले में गिरफ्तारी और अब नया मुकदमा

बीएनएम @ पटना। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। 31 साल पुराने एक लंबित मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद अब उन पर पटना के बुद्धा कॉलोनी थाने में एक नई एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला पुलिस कार्रवाई के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने से जुड़ा है, जिसमें सांसद के साथ उनके लगभग 20 समर्थकों को भी नामजद किया गया है। पुलिस का आरोप है कि जब टीम न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए सांसद को गिरफ्तार करने उनके आवास पर पहुँची, तब वहां मौजूद समर्थकों ने न केवल पुलिस को रोकने की कोशिश की, बल्कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की और डराने-धमकाने का प्रयास भी किया।प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार, भारी विरोध और नारेबाजी के बीच पुलिस ने स्थिति को संभाला और अंततः पप्पू यादव को हिरासत में ले लिया। रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया गया। अदालत परिसर में समर्थकों की भारी भीड़ और संभावित हंगामे को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। समर्थकों ने इस पूरी कार्रवाई को 'राजनीतिक साजिश' करार देते हुए सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे शहर के कुछ हिस्सों में घंटों तनाव बना रहा।दूसरी ओर, पुलिस और सत्ता पक्ष ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई किसी राजनीतिक द्वेष का परिणाम नहीं, बल्कि माननीय न्यायालय के पुराने वारंट पर आधारित एक वैधानिक प्रक्रिया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने के नए मुकदमे ने अब इस मामले को और अधिक पेचीदा बना दिया है। फिलहाल पप्पू यादव जेल में हैं और उनकी रिहाई अब कानूनी दलीलों और न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी है। इस घटनाक्रम ने बिहार की सियासी फिजां को पूरी तरह गरमा दिया है, जहाँ एक ओर सहानुभूति की लहर है तो दूसरी ओर कानून के कड़े पालन का दावा किया जा रहा है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी ने गरमाया बिहार का माहौल

बीएनएम @ पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी ने बिहार की सियासी तपिश को चरम पर पहुँचा दिया है। यह मामला महज एक कानूनी प्रक्रिया न रहकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बन गया है। जहाँ विपक्षी दल इसे सीधे तौर पर 'राजनीतिक प्रतिशोध' और आवाज दबाने की कोशिश करार दे रहे हैं, वहीं सरकार और सत्ताधारी दल इसे कानून की निष्पक्ष कार्रवाई बता रहे हैं।इस पूरे घटनाक्रम में पूर्व सांसद आनंद मोहन की टिप्पणी ने मामले को और पेचीदा बना दिया है। उन्होंने कार्रवाई के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि मामला तीन दशक पुराना था, तो अब तक इंतजार क्यों किया गया? उनकी यह बात कि "कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण नहीं होनी चाहिए", कहीं न कहीं सिस्टम की मंशा पर संदेह व्यक्त करती है।दूसरी ओर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने पप्पू यादव के अतीत को कुरेदते हुए उनके पुराने 'अपराध सिंडिकेट' और 90 के दशक के राजनीतिक रसूख पर हमला बोला है। उनके बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा इस मुद्दे को कानून-व्यवस्था और अपराधियों के राजनीतिक संरक्षण के नैरेटिव से जोड़कर देख रही है।

स्वयंसेवक संघ ने पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधि को लेकर किया जागरुक

बीएनएम @ बगहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बगहा जिला की पर्यावरण एवं जल संरक्षण गतिविधि बगहा जिला द्वारा बगहा नगर के एमए वाई सेंट्रल पब्लिक स्कूल में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए सैकड़ों बच्चों के बीच एक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति चम्पारण के संयोजक डॉ अमित रंजन तथा उतर बिहार प्रान्त के युवा शक्ति प्रमुख नवनीत गिरी की रही। इन दोनों पदाधिकारियों का कुशल मार्गदर्शन विद्यालय के बच्चों को मिला। अपने सम्बोधन मे उन्होने बच्चों को जागरूक करते हुए पेड़, पानी और पॉलीथीन के बारे मे बताते हुए इससे होने वाले दुष्परिणाम और लाभ बताया। उन्होंने कहा कि आज प्रकृति की रक्षा करना सबकी अहम जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन सह अधिकारी परिचय जिला संयोजक जितेन्द्र कुमार ने किया। साथ में बगहा जिला के पर्यावरण गतिविधि के स्वयंसेवी संगठन प्रमुख प्रेमशंकर सिंह, धार्मिक संस्था प्रमुख अशोक राव, शिक्षण संस्थान प्रमुख प्रमोद गुप्ता, युवा शक्ति प्रमुख सुनील कुमार की सक्रिय उपस्थिति रही।

भैरोगंज में दर्दनाक सड़क हादसा, महिला की घटना स्थल पर हुई मौत

बीएनएम @ बगहा। जिला से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां भैरोगंज-बगहा मुख्य मार्ग पर सिकटी पुल के समीप तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने एक टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में टेंपो सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। मृत महिला की पहचान देवरउवा गांव निवासी अनिल मुखिया की पत्नी इतवारी देवी (40 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अनिल मुखिया अपनी पत्नी के साथ कपरधिका गांव से बच्चे का झाड़-फूंक कराकर टेंपो से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सिकटी पुल के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो सड़क किनारे पलट गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल अनिल मुखिया और अन्य घायलों को भैरोगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल इतवारी देवी को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा रेफर किया गया, जहां चिकित्सक डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही भैरोगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। भैरोगंज थाना अध्यक्ष सीता केवट ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी की जा रही है।

विद्यालय में चोरी, साउंड सिस्टम व कैसियो बरामद, टैब अब भी गायब

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय परशुरामपुर में अज्ञात चोरों ने स्कूल में रखे साउंड सिस्टम, कैसियो और एक टैब की चोरी कर ली। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरबहादुर ने थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि वह रोज की तरह सुबह 9:30 बजे विद्यालय खोलकर शाम 4 बजे बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन जब वह विद्यालय पहुंचे तो देखा कि खिड़की टूटी हुई है और कमरे में रखी गोदरेज अलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। जांच करने पर साउंड सिस्टम, कैसियो और टैब गायब मिले। घटना की सूचना मिलते ही तुरकौलिया पुलिस विद्यालय पहुंचकर जांच में जुट गई। इसी बीच रविवार सुबह विद्यालय परिसर में चोरी हुए कैसियो और साउंड सिस्टम पड़े मिले, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दोनों सामान को जब्त कर लिया, जबकि टैब अब भी बरामद नहीं हो सका है। प्रभारी थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

UGC कानून के समर्थन में बैठक, गायघाट से मानिकपुर तक निकाला गया पैदल मार्च

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड के राजकीय कृत गायघाट उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को UGC कानून के समर्थन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद गायघाट चौक से मानिकपुर चौक तक पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान जागरूक एवं बुद्धिजीवी लोगों ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि जब तक माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाए गए रोक को नहीं हटाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही आगामी 14 फरवरी 2026 को हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय पर एक विशाल आंदोलन करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता नित्यानंद कुमार, नीरज

शाक्य, नितीश कुमार, अखिलेश कुमार कुशवाहा एवं त्रिलोकी कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। अभियंता राजू कुमार ने कहा कि 13 जनवरी 2026 को केंद्र सरकार द्वारा लागू किया गया UGC कानून सही है। रविंद्र कुमार रौनक ने कहा कि कानून में किसी प्रकार की अस्पष्टता नहीं है, फिर भी केंद्र सरकार की नाकामी के कारण न्यायालय द्वारा इस पर रोक लगा दी गई है। विक्की सिंह ने कहा कि यह कानून किसी भी प्रकार के भेदभाव के खिलाफ है। राजन कुमार सिंह ने कहा कि यह कानून लिंग, जाति, वर्ग और दिव्यांगता सहित सभी प्रकार के भेदभाव के विरुद्ध है और जनहित में है। कार्यक्रम में मुन्ना सिंह, गुड्डू कुमार, उज्ज्वल कुमार, नयन कुमार कुशवाहा, रामेश्वर पासवान, सुखाड़ी राम, दंशई राम, गोविंदा राम, टुनटुन कुमार, कृष्णा कुमार, अरविंद कुमार, अभिषेक कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने पैदल मार्च में भाग लिया।

सूरज बिहारी हत्याकांडः रील विवाद में हुई हत्या के आरोपी दबोचे गए, नेपाल भागने की थी तैयारी

मुख्य आरोपी नंदू समेत 5 गिरफ्तार

बीएनएम @ पूर्णिया

पिता-पुत्र की अर्थी से दहल उठा था पूर्णिया

पूर्णिया के बहुचर्चित सोशल मीडिया ब्लॉगर सूरज बिहारी हत्याकांड में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। इस सनसनीखेज मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूर्णिया की एसपी स्वीटी सहरावत ने खुलासा किया कि मुख्य आरोपी नंदू सिंह, ब्रजेश सिंह और अमन सिंह को शनिवार को रूपौली थाना क्षेत्र से दबोचा गया। इससे पूर्व, शुक्रवार को मुख्य शूटर स्नेहिल झा और आदित्य उर्फ आयुष ठाकुर ने मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाने में आत्मसमर्पण किया था। पुलिस की जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि सूरज बिहारी की हत्या उनकी ही पिस्टल छीनकर की गई थी। हत्या के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली, नोएडा, भोपाल और हावड़ा जैसे शहरों में छिपते रहे और अंततः नेपाल भागने की फिराक में थे।इस हत्याकांड की पृष्ठभूमि किसी पुरानी रंजिश से नहीं, बल्कि सरस्वती पूजा के दौरान सोशल मीडिया रील बनाने को लेकर हुए मामूली विवाद से जुड़ी है। 27 जनवरी को नेवालाल चौक के पास आरोपियों ने सूरज बिहारी के भाई के साथ मारपीट की थी, और जब सूरज बीच-बचाव करने पहुंचे, तब नंदू और ब्रजेश ने अपने साथियों के साथ उन पर हमला कर दिया। इस हमले में सूरज को तीन गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह मामला तब और अधिक हृदयविदारक हो गया जब बेटे की मौत के सदमे में 6 फरवरी को सूरज के पिता का भी हार्ट अटैक से निधन हो गया। एक ही परिवार से दो अर्थियां उठने के बाद पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई का भारी दबाव था।फिलहाल, पुलिस दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश में सघन छापेमारी कर रही है और उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना ने न केवल पूर्णिया को झकझोर दिया है, बल्कि सोशल मीडिया के बढ़ते विवादों के हिंसक और जानलेवा अंजाम पर भी गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

पांच शराब तस्कर व एक वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ पताही

अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पताही थाना पुलिस ने अभियान चलाते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पांच शराब मामले के अभियुक्त और एक वारंटी शामिल है। सभी को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 33/26 से जुड़े मामलों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें चूल्हाई दास, विगन राम, शंकर साह, संजय मांझी और सुरेन्द्र राम शामिल हैं। सभी अलग-अलग गांवों के निवासी हैं और शराब कारोबार से जुड़े मामलों में वांछित थे। इसके अलावा कांड संख्या 324/25 के वारंटी उपेंद्र कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों और फरार वारंटियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी।

पताही को फाइलेरिया से मुक्त करने की जंग शुरू, 10 फरवरी से घर-घर दवा अभियान

बीएनएम @ पताही

फाइलेरिया जैसी गंभीर और अपंगता पैदा करने वाली बीमारी के खिलाफ पताही में बड़ी पहल की जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही के नेतृत्व में आगामी 10 फरवरी से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस अभियान की जानकारी चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने दी। डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि यह अभियान राज्य व केंद्र सरकार के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र को फाइलेरिया मुक्त बनाना है। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी और आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा लोगों को खिलाएंगे, ताकि बीमारी के संक्रमण की कड़ी को पूरी तरह तोड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया एक "खामोश बीमारी" है, जो धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाती है और बाद में लाइलाज हो जाती है। समय पर दवा का सेवन ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। चिकित्सा प्रभारी ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अभियान के दौरान दी जाने वाली दवा को अवश्य खाएं और किसी भी प्रकार की अफवाह या गलत जानकारी पर ध्यान न दें। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है। डॉ. शंकर बैठा ने यह भी कहा कि इस अभियान की सफलता जनसहयोग पर निर्भर करती है। सभी लोगों के सहयोग से ही पताही को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सकता है।

मदरसा फलाहुल मुस्लिमीन में दस्तारबंदी समारोह, 7 हाफिजों का सम्मान

बीएनएम @ रामगढ़वा@ विजय कुमार

प्रखंड क्षेत्र के मदरसा फलाहुल मुस्लिमीन में रविवार को दस्तारबंदी समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरान की तालीम पूरी करने वाले सात छात्रों के सिर पर दस्तार बांधकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुफ्ती ज्याउल हक कासमी के नेतृत्व में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता उपस्थित हुए। उन्होंने सफल छात्रों को सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में विधायक ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि तालीम समाज की प्रगति की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने और उन्हें उच्च शिक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुफ्ती ज्याउल हक कासमी ने अतिथियों का स्वागत किया और मदरसे की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में मोहम्मद हाशिम, मनोज सिंह, अरविंद कुमार, विशाल कुमार, विकाश शर्मा, रेजाउल रहमान और बबलू आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया।

60 लीटर नेपाली शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा@ विजय कुमार

पलनावा पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सिरिसिया बांध पुल के समीप 60 लीटर नेपाली चुलाई शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान परसौना तपसी गांव निवासी मैनेजर यादव के पुत्र दीनानाथ यादव (40) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नेपाल से शराब की खेप लाई जा रही है। इसके बाद नाका बंदी कर जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक व्यक्ति शराब लेकर भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। कार्रवाई का नेतृत्व पीएसआई रूपम कुमारी ने किया। पुलिस ने 60 लीटर नेपाली शराब जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

हरिनगर संघर्ष के बाद जगी न्याय की उम्मीद, 8 परिवारों को मिली आर्थिक राहत

बीएनएम @ दरभंगा

हिंसा पीड़ितों को 6.64 लाख की मदद, कुशेश्वरस्थान हिंसा

दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान प्रखंड के हरिनगर गांव में हाल ही में हुई जातीय हिंसा के बाद जिला प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए पीड़ित परिवारों को राहत पहुँचाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। मजदूरी के भुगतान को लेकर उपजा एक मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गया, जिससे न केवल क्षेत्र का सामाजिक माहौल तनावपूर्ण हुआ, बल्कि कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए। इस संकट की घड़ी में बिहार सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए डीएम कौशल कुमार ने स्वयं कमान संभाली और प्रभावितों को न्याय व सहायता का भरोसा दिलाया। प्रशासन की इस त्वरित प्रतिक्रिया को न केवल एक प्रशासनिक कर्तव्य, बल्कि तनावपूर्ण माहौल में आपसी विश्वास और शांति बहाल करने की एक ठोस पहल के रूप में देखा जा रहा है।राहत कार्यों के तहत, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा और अनुश्रवण समिति के सदस्यों ने दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (DMCH) जाकर घायलों का कुशलक्षेम जाना और मौके पर ही सहायता की प्रक्रिया पूरी की। प्रशासन द्वारा अब तक कुल आठ अनुसूचित जाति परिवारों को 6 लाख 64 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि आवंटित की गई है, ताकि वे अपने इलाज और पुनर्वास की तात्कालिक जरूरतों को बिना किसी वित्तीय बाधा के पूरा कर सकें।आर्थिक मदद के अलावा, प्रशासन का ध्यान संपत्ति के नुकसान की भरपाई पर भी केंद्रित है। हिंसा के दौरान घरों और दुकानों में हुई तोड़फोड़ का सटीक आकलन करने के लिए स्थानीय अंचल अधिकारी ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है। अधिकारियों ने पूरी पारदर्शिता का आश्वासन देते हुए कहा है कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होते ही मुआवजे की राशि सीधे पीड़ितों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी जाएगी। प्रशासन की इस संवेदनशीलता और पारदर्शी कार्यप्रणाली ने प्रभावित समुदाय के बीच सुरक्षा का भाव पैदा किया है, जो आने वाले दिनों में क्षेत्र में सामाजिक समरसता की पुनर्स्थापना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

आधुनिक सर्जरी और शोध पर मंथन करेंगे 400 से अधिक डॉक्टर

बीएनएम @ सहरसा

बिहार के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों का महाकुंभः 13 फरवरी से शुरू होगा

जिले का प्रेक्षागृह आगामी 13 से 15 फरवरी तक चिकित्सा जगत की बड़ी हलचल का गवाह बनेगा। बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (BOA) का 52वां वार्षिक सम्मेलन 'बोआकॉन 2026' यहाँ आयोजित होने जा रहा है, जो जिले को हड्डी रोग चिकित्सा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। कोशी ऑर्थोपेडिक क्लब के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय समागम में देशभर के 400 से अधिक वरिष्ठ विशेषज्ञ, युवा चिकित्सक और शोधकर्ता शिरकत करेंगे।आयोजन सचिव डॉ. संजय कुमार गुप्ता के अनुसार, यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक उच्च स्तरीय शैक्षणिक मंच है। इसमें हड्डी रोग उपचार की अत्याधुनिक तकनीकों, जैसे आर्थ्रोस्कोपी (कीहोल सर्जरी), आर्थ्रोप्लास्टी (जोड़ प्रत्यारोपण) और जटिल ट्रॉमा मैनेजमेंट पर गहन मंथन होगा। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन वर्कशॉप होंगी, जहाँ युवा डॉक्टरों को अनुभवी विशेषज्ञों की देखरेख में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का दुर्लभ अवसर मिलेगा।ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिक सत्रों के साथ-साथ शोध पत्रों और पोस्टर प्रस्तुतियों के जरिए चिकित्सा क्षेत्र के नए नवाचारों को साझा किया जाएगा। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, प्रतिभागियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। यह आयोजन न केवल स्थानीय चिकित्सा स्तर को अंतरराष्ट्रीय मानकों के करीब लाएगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की राह प्रशस्त करेगा।

वर्तमान एंव भावी पीढ़ियों पर बोझ

केंद्रीय आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी पहुंच गया है। यह प्रतिगामी सूरत है। बजट से साफ है कि इसमें सुधार का कोई प्रयास नहीं किया गया है। केंद्रीय बजट में 2026-27 में 53,47,315 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसका 24 फीसदी हिस्सा कर्ज लेकर जुटाया जाएगा। बाकी रकम टैक्स और गैर कर स्रोतों से आएगी। सरकार जो खर्च करेगी, उसका 20 प्रतिशत हिस्सा पहले से मौजूद कर्ज का ब्याज चुकाने में जाएगा। 22 प्रतिशत हिस्सा उगाहे गए कर में राज्यों का हिस्सा देने, 11 प्रतिशत हिस्सा रक्षा, और दो प्रतिशत केंद्रीय कर्मचारियों के पेंशन पर खर्च हो जाएगा। इसके अलावा केंद्र के अपने प्रशासनिक खर्चे हैं। उन सबके बाद पूंजीगत निवेश के लिए लगभग 17 करोड़ (सवा 12 लाख करोड़ सीधे पूंजीगत निवेश और सवा पांच करोड़ पूंजीगत संपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान) के लिए बचेंगे। अगले वित्त वर्ष में केंद्र लगभग 17 लाख करोड़ रुपये के नए कर्ज लेगा। मगर इससे भी प्रस्तावित खर्च पूरा नहीं होगा। कुल मिलाकर 4.3 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा रह जाएगा। ये रविवार को पेश हुए आम बजट का सीधा गणित है। जब सरकार का लगभग एक चौथाई बजट कर चुकाने पर खर्च होने लगा है, तो समझा जा सकता है कि देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है। पिछले साल केंद्र ने 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया। इस वर्ष उससे तीन लाख करोड़ रुपये अधिक लेने का इरादा उसने रखा है, तो उसकी वजह यही है कि अब ऋण चुकाने के लिए ऋण लेना पड़ रहा है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने आय कर और जीएसटी दरों में छूट देकर अपने लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष दोनों करों से होने वाले आय को घटाया। नतीजतन, उसे और अधिक ऋण लेना पड़ेगा। सरकार चाहती, तो कॉरपोरेट टैक्स में 2019 में दी गई छूट वापस लेकर तथा धनी लोगों पर नए कर लगाकर राजकोषीय सेहत सुधार सकती थी। अब उसकी कुल आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि (व्यक्तिगत आयकर 21 प्रतिशत, जीएसटी 15 प्रतिशत, उत्पाद एवं कस्टम 10 प्रतिशत मिला दें, तो) आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी तक पहुंच गया है।

सामाजिक न्याय हासिल करने की लम्बी यात्रा

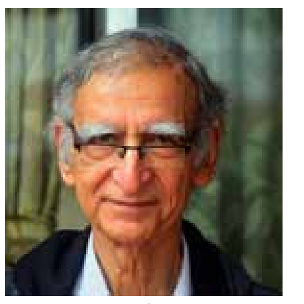

राम पुनियानी

रोहित वेम्यूला और अबेदा सलीम तड़वी की आत्महत्या के मुद्दे को लेकर दायर जनहित याचिकाओं और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्या करने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एक 16-पृष्ठीय दस्तावेज जारी किया जिसमें वे दिशानिर्देश थे जिन्हें उच्च शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जाना था। इन दिशानिर्देशों का उद्धेश्य था छात्रों को अपमान या ऐसे नकारात्मक विचारों से बचाना जिनके चलते वे अपनी जान ले लेते हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस तरह की त्रासद और भयावह घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। राज्यसभा को प्रस्तुत की गई रपट ''सिग्नीफिकेंट स्टूडेंट सुइसिडस (2018-2023) में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में आईआईटी, आईआईएम और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित उच्च शिक्षण संस्थाओं में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। हाशिए पर पड़े समुदायों में स्थिति अधिक चिंताजनक हैः केन्द्रीय संस्थानों में 2014 से 2021 के बीच आत्महत्या करने वाले कुल 122 छात्रों में से अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के थे। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव की शिकायतों की संख्या में 2019 से 2024 की पांच वर्ष की अवधि के दौरान 118.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। इसके मद्देनजर यूजीसी की अनुशंसाएं एक ताजी हवा के झोंके की तरह हैं। लेकिन उत्तर भारत के कई स्थानों पर इनका विरोध किया गया, अधिकांशतः उच्च जातियों द्वारा जो संभवतः भाजपा की राजनीति के समर्थक थे। वे मामले को सुप्रीम कोर्ट में भी ले गए, जिसने आनन-फानन में यूजीसी के दिशानिर्देशों को लागू करने पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि इस तरह के कदमों से समाज बंटेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इन्हें अस्पष्ट बताते हुए कहा कि इनका बहुत आसानी से दुरूपयोग किया जा सकता है। हम जानते हैं कि कानूनों के दुरूपयोग की संभावना हमेशा रहती है और जरूरी प्रावधान करके इसे रोका जा सकता है। तथ्य यह है कि इस तरह की घटनाओं की संख्या में 2019 से 2024 के बीच 118 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सतीश पांडे का तर्क है कि अतीत में जाति प्रथा के माध्यम से प्राप्त होने वाले विशेषाधिकारों का लाभ उठाते हुए पहले तो उच्च जातियों ने समाज में ऊंचा दर्जा हासिल कर लिया और फिर वे जाति-विहीन समाज की बातें करने लगीं। प्रोफेसर अजंथ सुब्रमण्यम बताते हैं कि किस तरह जाति-विहीनता को योग्यता को सबसे अधिक तरजीह देने से जोड़ा गया और इसका उपयोग ऊंची जातियों ने तमिलनाडु में जम कर किया क्योंकि वहां का सबाल्टर्न वर्ग अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा हुआ। मगर आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को आरक्षण दिए जाने से ऊंची जातियों अब योग्यता की दुहाई देने की स्थिति में भी नहीं हैं। भाजपा को केन्द्र में सत्तारूढ़ हुए लगभग 12 साल हो चुके हैं। ऊंची जातियां यह जानती हैं और यह अपेक्षा करती हैं कि यह सरकार 'उनकी पक्षधर' है और वह समाज के वंचित वर्गों के हित में उठाए जाने वाले हर सकारात्मक कदम को निष्प्रभावी करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। इसकी एक मिसाल है उच्च शिक्षण संस्थाएं जहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी के लिए आरक्षित पद रिक्त हैं जबकि आवश्यकत योग्यता रखने वाले इन समुदायों के शिक्षक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। इसके अलावा हमारा अनुभव यह रहा है कि यह सरकार सामान्यतः उच्च जातियों को संरक्षण देती है और इसके राज में वंचित वर्गों पर होने वाले अत्याचारो की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। पिछले कुछ दशकों में इन वर्गों की स्थिति बहुत खराब हुई है। कई आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सूचकांको से इसकी पुष्टि होती है। ''नेशनल कोएलेशन फॉर स्ट्रेंनथनिंग एससीज एंड एसटीज'' के प्रतिवेदन में दिए गए आंकड़ों से ज्ञात होत है कि अनुसूचित जातियों पर होने वाले अत्याचारों में 2021 में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2021 में ऐसी सबसे अधिक घटनाएं उत्तरप्रदेश में हुईं जो कुल घटनाओं का 25.82 प्रतिशत थीं। इसके बाद राजस्थान और मध्यप्रदेश 14.7 और 14.1 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। प्रतिवेदन भारत के सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त सड़ांध की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। इसमें हिन्दुत्व शक्तियों की विचारधारा और उनके द्वारा समाज के चिन्हित वर्गों के विरूद्ध की जा रही हिंसा के कारण उसमें हुई बढ़ोत्तरी पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। दलित ऐसा ही एक वर्ग है जिसे निशाना बनाया जा रहा है। अनुसूचित जाति/जनजाति/ओबीसी वर्ग की लड़ाई लंबे समय से जारी है। पहला कदम था यह सुनिश्चित करना कि उनके साथ समानतापूर्ण व्यवहार हो और वे उच्च जातियों के प्रतिरोध के बावजूद शिक्षा हासिल कर सकें। जोतिराव फुले का जीवन एवं संघर्ष इसका उदाहरण है कि मनुष्य होने के नाते वे जिन मूलभूत अधिकारों के हकदार थे, उन्हें हासिल करने में भी उच्च जातियों ने कितनी बाधाएं खड़ी कीं। बाबासाहेब अम्बेडकर ने यह संघर्ष जारी रखा और इसमें मंदिरों में प्रवेश, सार्वजनिक जल स्त्रोतों तक पहुंच और अस्पृश्यता के विरोध जैसे मुद्दों को जोड़ा। राष्ट्रपिता ने अपने जीवन के कई वर्ष अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ते हुए बिताए। एक दिलचस्प तथ्य यह है कि उनकी जान लेने का पहला प्रयास तब किया गया था जब उनका मुख्य संघर्ष अस्पृश्यता के उन्मूलन के खिलाफ चल रहा था और वे दलित उत्थान में जुटे हुए थे। भारतीय संविधान में अस्पृश्यता के विरूद्ध प्रावधान किए गए। उसमें अनुसूचित जाति/जनजाति वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की कई, हालांकि ओबीसी वर्ग के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया। इस पर अमल आधे-अधूरे मन से किया गया और इन वर्गों के बहुत से लोग आवश्यक योग्यता के बावजूद नौकरियां हासिल करने से वंचित रहे। आरक्षण लागू होने के बाद सन् 1980 आते-आते उच्च जातियों के एक वर्ग ने आरक्षण का विरोध करना शुरू कर दिया। प्रोपेगेंडा यह चलाया गया कि आरक्षित वर्गों के कम काबिल उम्मीदवारों की वजह से उच्च जातियों के अधिक योग्य उम्मीदवारों को नौकरियां हासिल नहीं हो पा रही हैं। आरक्षित वर्ग के लोगों को 'सरकार का दामाद' कहा जाने लगा। ये भ्रांतियां समाज की व्यापक समझ का हिस्सा बन गईं। इन वर्गों के प्रति नफरत के चलते 1980 के दशक में उनके विरूद्ध हिंसा हुई - पहले सन् 1980 में फिर 1985 में। अहमदाबाद और गुजरात के कुछ अन्य भागों में ऐसी घटनाएं अधिक संख्या में हुई और यह हिंसा मुख्यतः आरक्षण के मुद्दे पर ही हुई। आरक्षण के विरोध के लिए 'यूथ फॉर इक्वालिटी' जैसे समूह गठित हुए जिन्होंने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ कुलीन वर्गों के तर्कों को प्रचारित करने का काम किया। शिक्षण संस्थानों के परिसरों में भी इन वर्गों के खिलाफ नफरत का माहौल कायम हो गया जो अब बढ़ती आत्मघात की घटनाओं के रूप में साफ नजर आ रहा है। यह तर्क बेमानी है कि इन दिशानिर्देशों में उच्च जातियों के संरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि आत्महत्या की ज्यादातर घटनाओं का संबंध अनुसूचित जाति / जनजाति / ओबीसी वर्गों के छात्रों से है। सन् 1990 में व्ही. पी. सिंह सरकार द्वारा मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला उच्च जातियों के लिए एक जबरदस्त झटका था और इसका जबरदस्त विरोध हुआ। भाजपा ने अत्यंत कुटिलतापूर्वक इसका विरोध नहीं किया। उसने जनता का ध्यान इस मुद्दे से हटाने के लिए राम मंदिर निर्माण हेतु रथयात्रा शुरू की। इससे देश दहल गया, रथ यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले बहुत से स्थानों पर साम्प्रदायिक हिंसा हुई। यह दिलचस्प है कि जब भी अनुसूचित जाति/जनजाति/ओबीसी के उत्थान के लिए कोई कदम उठाया जाता है, तब भाजपा उसके खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती किंतु दबे-छिपे ढंग से उसे निष्प्रभावी बनाने में जुट जाती है। यूजीसी द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति/ओबीसी वर्गों के छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए जारी दिशानिर्देशों से भाजपा, और उसके साथ आरएसएस का असली चेहरा सामने आ गया है। उनका संविधान विरोधी रवैया एक बार फिर साफ नजर आ रहा है।

खराब कचरा प्रबंधन पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती

मनोज कुमार मिश्र

कचरा अब केवल शहरों की समस्या नहीं है। शहरीकरण और आधुनिकीकरण की होड़ में गांव-देहात भी कचरे की समस्या को झेलने को मजबूर हो गए हैं। पर्यावरण के लिए घरों के निकलने वाले कूड़ों से अधिक प्लास्टिक कचरा, मेडिकल कचरा, इलेक्ट्रोनिक कचरा ज्यादा नुकसानदेह है। एक अनुमान के मुताबिक देशभर से हर रोज निकलने वाले करीब तीन लाख मीट्रिक टन कचरे में तमाम नए तरह के कूड़ा पैदा होने के चलते केवल एक चौथाई कूड़े का निबटान आसानी से हो पा रहा है। हिमालय की ऊंची चोटियों से लेकर पवित्र केदारनाथ धाम भी कचरा और खास कर प्लास्टिक कचरे से तबाह है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने मन की बात में इसके लिए अपील करनी पड़ी। दिल्ली, मुंबई या दूसरे बड़े शहरों में कचरों के पहाड़ (लैंडफिल) से लोगों को खतरा है ही, उसे खत्म करने के कई प्रयासों के दौरान निकलने वाले गैस से बड़ी संख्या में लोग बीमार हो रहे हैं। जिस तरह से आए दिन दिल्ली के गाजीपुर, भलस्वा और ओखला या मुंबई के मुलूंग के कूड़े के पहाड़ों में आग लगती रहती है वैसी ही आग दिल्ली, मुंबई, देहरादून आदि के कूड़े घर में लगने लगी है। प्लास्टिक और दूसरे कचरों से बड़ी संख्या में समुद्री जीव लगातार मर रहे हैं। शहरों और देहातों में गाय और पालतू जानवरों की मौत का एक बड़ी कारण प्लास्टिक और मेडिकल कचरा है। उत्तराखंड के जंगलों में हाथियों के लीद ((शौच) में प्लास्टिक कचरा मिलने के बाद तो वन जीवों पर संकट के बादल छाने लगे हैं। घरों से हर निकलने वाले कूड़े प्रबंधन एक समस्या है ही क्योंकि माना जाता है कि अगर अलग-अलग कूड़े की छंटाई शुरुवात में घरों से नहीं हुई तो बाद में उन्हें अलग करना कठिन हो जाता है। बड़ी समस्या दूसरे प्रकार के कूड़े से है। अब घरों को तोड़ने से होने वाले मलबे को सड़क बनाने में उपयोग किया जाने लगा है। प्लास्टिक के पुराने बोतलों आदि को भी री-साईकिल कर दूसरी चीज बनाए जाने लगे हैं। बड़ी समस्या मेडिकल कूड़े की है। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के दौरान हर रोज 710 टन मेडिकल कचरा निकल रहा था। मेडिकल कचरो का सही प्रबंधन न करने पर तो उनमें आपस में ही रासायनिक प्रतिक्रिया होने से खतरनाक गैस निकलने लगते हैं। इसी तरह इलेक्ट्रोनिक कचरा प्रबंधन बड़ी समस्या बन चुका है। अब मोबाइल, टीवी, फ्रिज, एसी, कूलर, गीजर, हीटर इत्यादि सामान हर घर तक पहुंच गया है। उनके बेकार होने पर उसके पुराने सामानों का उपयोग एक हद तक ही होता है। बाद में तो वह कूड़ा ही बन जाता है। इस कूड़े की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। समस्या इसलिए ज्यादा विकराल होती जा रही है कि हम जिन दुनियां के अमीर देशों की नकल करके आधुनिकता के अंधी दौड़ में फंसे हुए है, वहां भी कचरा प्रबंधन समस्या है लेकिन वहां अपने देश जैसी न तो भारी आबादी है और न कम संसाधन। कुछ दशक पहले तक कूड़ा प्रबंधन शहरों की समस्या थी। गांव में गिनती के पक्के मकान थे। मिट्टी या बांस-फूस के मकानों को तोड़ तक वापस कुछ और मिट्टी या बांस- फूस से नया मकान बनाया जाता था। घरों से निकलने वाला कूड़ा खाद बन जाता था क्योंकि उसमें मिलावटी चीजें नहीं या कम से कम होती थी। गांव में प्लास्टिक के थैलों और बोतलों आदि का उपयोग तो कुछ दशकों से शुरू हुआ है। लोग सामान लाने-ले-जाने के लिए अपने थैलों आदि का उपयोग करते थे। गांव में इलेक्ट्रोनिक सामान गिनती के थे। अब गांव में भी ज्यादातर घर पक्के बन गए। इलेक्ट्रोनिक और मेडिकल कचरा शहरों की तरह गांव में भी इकट्ठा होने लगा है। शहरीकरण की बढ़ती रफ्तार ने देश के गांवों की आबादी को भी वही सारे रोग दे दिए हैं, जिसे झेलने के लिए शहरों के लोग पहले अभिशप्त थे। अब कचरा प्रबंधन केवल महानगरों या शहरों की समस्या नहीं है, यह देश की बड़ी समस्या बन गया है। बिना कूड़ा प्रबंधन के प्रदूषण से निजात नहीं मिलने वाला है। यह साबित हो चुका है कि प्रदूषण का एक बड़ा कारण कूड़ा-कचरा है। दुनिया के अमीर देश भी इस समस्या को झेल रहे हैं और उससे निजात पाने के विभिन्न उपाय खोज चुके हैं और हर रोज नए उपाय मिलने की उम्मीद दिखाते हैं। उनका कूड़ा प्रबंधन बेहतर होने से उन देशों में प्रदूषण के मुख्य कारणों में कचरा या कूड़ा नहीं है। उनका खानपान और रहन-सहन उन्हें बीमार बना रहा है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले विकासशील देश में से प्रदूषण के बड़े कारणों में एक कारण मानव के उपयोग में आने वाले विभिन्न तरीके के कचरे हैं। दुर्भाग्य से इस समस्या से हम निजात नहीं पा सके हैं और अमीर देशों की नकल में जीवन शैली में बदलाव कर प्रकृति का सही उपयोग के बजाए उसका दोहन करके अपने को ज्यादा बीमार कर रहे हैं। यही हाल अपने देश में भी अंधाधुंध हो रहे शहरीकरण और विदेशी जीवन शैली का नकल करने से हो रहा है। नरेन्द्र मोदी साल 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते ही जिन चीजों का लगातार और बार-बार आग्रह कर रहे हैं उसमें स्वच्छता, स्वावलंबन और कचरा मुक्त देश बनाने का आग्रह प्रमुख है। सभी को पक्का मकान सरकार दिला रही है, सभी घरों में साफ पानी, शौचालय, बिजली और हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ रही है। इसमें सरकार को काफी सफलता भी मिली है। इन योजनाओं का लाभ ज्यादातर देश की आबादी को मिल रहा है। इसी तरह से सभी को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा भी सरकार उपलब्ध करा रही है। इन सभी योजनाओं पर लाइलाज हो रही कूड़े-कचरे की समस्या पानी फेर रही है। उत्पादन बढ़ाने की होड़ से अन्न के अवशेष भी जहर बनते जा रहे हैं। पहले अन्न के जिन अवशेषों को प्राथमिकता से घरेलू जानवरों और मवेशियों को खिलाकर उन्हें ताकतवर और ज्यादा उपयोगी बनाते थे। अब वे उन्हीं को खाकर बीमार हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति में गाय का गोबर सबसे पवित्र माना जाता है। उसका उपयोग हर पूजा-पाठ से लेकर घरों को शुद्ध करने के लिए किया जाता था। आज प्रदूषित अन्न के अवशेषों ने उसकी पवित्रता को ही खत्म कर दिया। गाय सबसे बड़ी संख्या में प्लास्टिक के पैकेट निगलने और प्रदूषित अन्न अवशेष खाकर मर रही हैं। इन कचरों का सही निबटारा न होने से गांव से लेकर शहरों तक के नदी-नाले भी कचरों की ढेर में तब्दील हो रहे हैं। इससे पानी का संकट तो भयावह होता ही जा रहा है, हर शहर में थोड़ी बरसात से ही बाढ़ आने लगी है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि गांव से लेकर शहरों और दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में आपातकाल जैसे हालात मानकर कचरा प्रबंध प्राथमिकता पर करना जरूरी हो गया है।

मेष राशिः आज का दिन आपका खुशियों भरा रहेगा। अपने परिवार के साथ कुछ समय बितायें अच्छा लगेगा। सोचे हुए काम खुद के दम पर पूरे कर सकते हैं। कई मामलों पर आपके पास कुछ नए और अच्छे विचार होंगे। अपनी वाणी से आप सभी काम पूरे करवा लेंगे। न्याय संगत बातें करेंगे। पुरानी मेहनत रंग लाएगी। बेरोजगार को आज नौकरी के ऑफर आ सकते है।

वृष राशिः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन कुछ खट्टा-मीठा बीतेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है। कॉलेज में आज आपकी गुड एक्टीविटी की वजह से टीचर्स आपसे खुश रहेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। अगर आज लकड़ी का फर्नीचर खरीदने की सोच रहे है तो खरीद लीजिये।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों मे ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। जीवन में अच्छे बदलाव आएंगे।

कर्क राशिः आज किए गए कामों का फायदा भी मिलेगा। समय आपके फेवर में होने के कारण मन खुश रहेगा, जीवन में भी अच्छे परिवर्तन आएंगे। ज्यादा मेहनत करके थोड़ा धन लाभ भी मिल सकता है। आज बहस बाजी से बचें व्यर्थ में किसी पंगे में पड़ सकते हैं। आज वाहन संभाल कर चलाएं। नौकरी या बिजनेस में फायदे के एक से अधिक मौके मिल सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका ध्यान अध्यात्म के प्रति अधिक लगा रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जा सकते है, इससे पारिवारिक क्लेश कम होगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगे तो जल्द ही पूरे हो जाएंगे। पारिवारिक निर्णय लेने से पहले किसी बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें तो आपको फायदा होगा। बिजनेसमैन को नया काम स्टार्ट करने के लिए आज का दिन शुभ है जो आने वाले समय में अधिक फायदा कराएगा।

कन्या राशिः इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है। कम्पटेटिव एग्जाम के रिजल्ट में आज आपको सफलता मिलेगी। काम अधिक होने से आज आपको भाग - दौड़ करनी पड़ सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा ठीक रहेगा। बिल्डर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

तुला राशिः आज काम के प्रति आपकी एकाग्रता बढ़ी रहेगी। किसी जरूरी काम को प्री-प्लानिंग करके करेंगे तो काम आसानी से पूरा हो जाएगा। परिवार में आज किसी सदस्य से आपकी अनबन हो सकती है। बेहतर होगा कि आज आप गुस्से पर कंट्रोल रखें। इस राशि के आविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। व

वृश्चिक राशिः आज आप प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगना कर देगा। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। किसी बहुत उपयोगी व्यक्ति से मुलाकात होगी। आप सकारात्मक सोच रखेंगे, तो आनंद से दिन बिता सकेंगे।

धनु राशिः आज के दिन आप किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें तो आपके लिए अच्छ होगा। आज आफिस के जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो सकारात्मक तरीके से पूरे होंगे। ऑफिस में आज का दिन ठीक रहेगा साथ ही सहकर्मी काम निकलवाने के लिए आपको प्रलोभन दे सकता है।

मकर राशिः आज जिस काम को आप शुरू करेंगे उसे पूरा करके ही राहत की सांस लेंगे इस वजह से हो सकता है ऑफिस में काफी देर तक काम करना पड़े। किसी काम को पूरा करने के लिए शार्टकट अपनाने से बचें। निश्चित ही काम थोड़े विलम्ब से ही लेकिन पूरे हो जाएंगे। इस राशि के बिजनेसमैन को आज एक्स्ट्रा इनकम कहीं से मिल सकता है

कुम्भ राशिः आज किसी धार्मिक कार्य में सहयोग करने से नौकरी में तरक्की होगी। ऑफिस में हर काम बारीकी से निपटाने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में जो भी रुकावटें आएंगी, उनसे कुछ सीख सकते हैं ऐसे ही आपको आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं। बिजनेस में फायदा होगा। साथ वाले लोगों या दोस्तों से गिफ्ट मिल सकता है। समाज कार्य की मीटिंग में जरूरत से ज्यादा न बोलें।

मीन राशिःआज भाग्य आपका साथ देगा। बिजनेस के सिलसिले में आज बिदेश यात्रा करनी पड़ेगी। घूमने-फिरने और मनोरंजन में समय बीतेगा। दूसरों की मदद करने से पीछे न हटें। छोटे भाई बहनों की ओर से आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। उनके साथ आपके संबंधों में भी मधुरता आयेगी।

संसदीय व्यवधान के विकल्प

हृदयनारायण दीक्षित

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मर्यादा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का है। उत्तरदायित्व का निर्वाहन शोर-शराबे से नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है। लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनिया भर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोकझोंक भी संभव है। लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता। भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मर्यादा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि, "कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।" बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है। लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं। 18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है। यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला टू प्रपोज दि गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा टू अपोज दि गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज दि गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है। लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता। लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं। प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के सम्बंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है। इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमान की कार्यवाही होनी चाहिए। यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे। जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे। लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है। संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आम्बेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हजरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजूरू, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे। इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है। सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य और तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टी20 वर्ल्ड कप विवाद

श्रीलंका के अनुरोध पर भारत से मैच बहिष्कार पर पुनर्विचार करेगा पाकिस्तान

एजेंसी, कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिया है कि वह टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के लिए अपनी सरकार से बातचीत करेगा। यह कदम श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के उस औपचारिक अनुरोध के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से कहा है कि भारत से मैच न खेलने के फैसले से सह-मेजबान होने के नाते उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन साथ ही निर्देश दिया है कि टीम भारत के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। भारत–पाक मैच आईसीसी के लिए सबसे अधिक राजस्व देने वाला मुकाबला माना जाता है, जो प्रसारकों और आयोजकों के लिए भी बड़े आर्थिक लाभ का स्रोत होता है। पाकिस्तान के इस फैसले ने न सिर्फ टूर्नामेंट की वाणिज्यिक संभावनाओं पर असर डाला है, बल्कि क्रिकेट जगत में भी चिंता बढ़ा दी है। श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को ईमेल भेजकर साफ कहा है कि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें टिकट बिक्री, प्रसारण अधिकार और आतिथ्य सेवाओं से मिलने वाला बड़ा राजस्व नहीं मिल पाएगा। इसके अलावा टूर्नामेंट की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को दुनिया भर में करोड़ों दर्शक देखते हैं। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का सह-मेजबान है और पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो और पाल्लेकल में खेल रहा है, ऐसे में यह निर्णय मेजबान बोर्ड के लिए और भी चुनौतीपूर्ण बन गया है। पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान और श्रीलंका के क्रिकेट और सरकारी स्तर पर हमेशा सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं, इसलिए श्रीलंका क्रिकेट के इस अनुरोध को अनदेखा करना मुश्किल है। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी से सीधे संपर्क करके स्थिति की गंभीरता बताई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में श्रीलंका को पाकिस्तान के समर्थन की आवश्यकता है, क्योंकि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। अब गेंद पाकिस्तान सरकार के पाले में है कि वह इस संवेदनशील और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दे पर क्या रुख अपनाती है। क्रिकेट जगत की निगाहें इस फैसले पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह न सिर्फ वर्ल्ड कप के कार्यक्रम को प्रभावित करेगा, बल्कि एशियाई क्रिकेट कूटनीति पर भी बड़ा असर डाल सकता है।

अंडर-19 विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान, वैभव सूर्यवंशी समेत भारत के तीन खिलाड़ी शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया है। इस बीच रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 विश्वकप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा कर दी। फाइनल मैच में ऐतिहासिक पारी खेलने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस टीम में जगह मिली है। 14 वर्षीय वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रनों की दमदार पारी खेलकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता था। उनके साथ कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे को सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह नहीं मिल सकी। कनिष्क ने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अहम योगदान दिया, जबकि हेनिल ने 11 विकेट चटकाए, जिसमें अमेरिका के खिलाफ 5/16 का शानदार स्पेल शामिल रहा। उपविजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली है। थॉमस रेव को टीम का कप्तान और विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। रेव ने टूर्नामेंट में 66 की औसत से 330 रन बनाए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में खेली गई मैच जिताऊ शतकीय पारी भी शामिल है। इंग्लैंड के ही मैनी लुम्सडेन और बेन मेस को बी जगह मिली है। मैनी ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 16 विकेट लिए और बेन मेस 444 रनों के साथ प्रतियोगिता टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। श्रीलंका के वीरन चामुदिथा को सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने जापान के खिलाफ ऐतिहासिक 192 रन की पारी खेली थी, जिसमें 26 चौके और एक छक्का शामिल था। अफगानिस्तान के फैसल खान शिनोजादा और नूरिस्तानी उमरजई को अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने के बाद चुना गया है। फैसल ने आयरलैंड और भारत के खिलाफ शतक लगाया था, जबकि नूरिस्तानी उमरजई ने टूर्नामेंट में 14 विकेट लिए, जिसमें तंजानिया के खिलाफ 9 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक भी टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शतक जमाए थे। पाकिस्तान के अली रजा और वेस्टइंडीज के स्पिनर विटेल लावेस को भी टीम में जगह मिली है। अली रजा ने 13.92 की औसत से 13 विकेट झटके, जबकि लावेस ने पांच मैचों में 10 विकेट लिए।

अंडर-19 विश्व कप 2026 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट

वैभव सूर्यवंशी (भारत), वीरन चामुदिथा (श्रीलंका), फैसल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर/कप्तान, इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरिस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

टी-20 विश्व कप मैच के बाद अमेरिकी राजदूत ने आईसीसी और जय शाह को कहा धन्यवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई में भारत और अमेरिका के बीच टी-20 विश्व कप मैच में शामिल होने के बाद भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह को "क्रिकेट की एक अविश्वसनीय शाम" के लिए धन्यवाद दिया। रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि टी-20 विश्व कप में क्रिकेट की अविश्वसनीय शाम के लिए आईसीसी और जय शाह को धन्यवाद। मुझे लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, जिसमें आगामी ओलंपिक्स भी शामिल है। मैच के दौरान सर्जियो गोर ने आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की और अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की। अमेरिकी राजदूत ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि टी-20 विश्व कप में आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और अद्भुत प्रशंसकों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की इसके अलावा अमेरिकी राजदूत ने अमेरिका की क्रिकेट टीम और जय शाह के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा कि हमारी अमेरिकी क्रिकेट टीम पर गर्व है। मुंबई में आज रात एक बेहद रोमांचक मैच हुआ।" मैच की बात करें, तो शनिवार रात मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम और अमेरिका टीम के बीच मैच खेला गया। मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की नाबाद पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 20 ओवरों में नौ विकेट पर 161 रन बनाए थे। इसके जवाब में अमेरिका की टीम-20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना पाई और 29 रनों से मैच हार गई।

स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लवलीना बरगोहाईं ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

गुवाहाटी। भारत की स्टार मुक्केबाज़ और ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। स्पेन में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान लवलीना बरगोहाईं का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने विभिन्न देशों से आई अनुभवी और मजबूत प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज़ों को लगातार पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हर मुकाबले में उनकी तकनीक, आक्रामकता और रणनीतिक समझ साफ नजर आई, जिसने दर्शकों और विशेषज्ञों को प्रभावित किया। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। उन्होंने पूरे मैच के दौरान नियंत्रण बनाए रखा और सटीक पंचों के जरिए प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया, जिसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। लवलीना की इस जीत पर खेल जगत में खुशी की लहर है। भारतीय बॉक्सिंग संघ, खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने उन्हें इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाइयां दी हैं। इसे भारतीय बॉक्सिंग के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। गौरतलब है कि लवलीना बरगोहाईं पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं और उनकी यह ताजा सफलता भारतीय खेल इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है। उनकी इस जीत से आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और ओलंपिक तैयारियों के लिए भी भारत की उम्मीदें और मजबूत हुई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

व्यापार

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली। विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

टीवीएस मोटर ने की 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में टीवीएस की पकड़ न सिर्फ मजबूत है बल्कि लगातार बढ़ती भी जा रही है। कंपनी के लिए जनवरी 2026 एक ऐतिहासिक महीना साबित हुआ, जिसमें कंपनी ने 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री के साथ करीब 29 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की। घरेलू बिक्री के साथ निर्यात कारोबार ने भी इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया। जनवरी 2026 में टीवीएस ने दोपहिया सेगमेंट में लगभग 4.94 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर करीब 28 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह रही कि घरेलू बाजार में दोपहिया बिक्री 30 प्रतिशत तक बढ़ी, जिससे पता चलता है कि शहरी और ग्रामीण— दोनों क्षेत्रों में टीवीएस की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है। कंपनी की मजबूत पकड़ मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों सेगमेंट में देखने को मिली। कम्यूटर बाइक्स से लेकर स्कूटर और प्रीमियम मॉडल्स तक, टीवीएस की रेंज ने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा किया और कुल बिक्री को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट टीवीएस के लिए इस माह का सबसे बड़ा हाइलाइट रहा। जनवरी 2026 में कंपनी की ईवी बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। यह संकेत है कि भारतीय ग्राहक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स को लेकर पहले से ज्यादा भरोसा दिखा रहे हैं और टीवीएस का ईवी पोर्टफोलियो इस तेजी से बढ़ते बाजार में मजबूत स्थिति बना रहा है। निर्यात के प्रदर्शन ने भी कंपनी की ग्रोथ को स्थिर आधार दिया। जनवरी में दोपहिया वाहनों की विदेशी मांग जारी रही, जिससे ग्लोबल मार्केट में टीवीएस की ब्रांड वैल्यू और मजबूत हुई। वहीं तीन-पहिया सेगमेंट में कंपनी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज की। कमर्शियल और ई-रिक्शा बाजार में बढ़ती मांग ने इस कैटेगरी की बिक्री को गति दी। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टीवीएस मोटर कंपनी के लिए रिकॉर्ड-ब्रेकिंग रहा।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

नई दिल्ली। भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी।

सीबीडीटी ने 'आयकर अधिनियम 2025' के नियमों पर हितधारकों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। आयकर व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता लाने के उद्देश्य से, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 'आयकर अधिनियम 2025' के प्रस्तावित नियमों एवं प्रपत्रों पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। सीबीडीटी ने रविवार को स्पष्ट किया है कि सुझाव मुख्य रूप से निम्नलिखित चार मानकों के आधार पर दिए जाने चाहिए। इनमें सरल भाषा, मुकदमेबाजी में कमी, अनुपालन के बोझ में कमी और अनावश्यक नियमों की पहचान है। उल्लेखनीय है कि आयकर अधिनियम, 2025 को अगस्त 2025 में राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है। यह नया कानून 1 अप्रैल, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा। अंतिम अधिसूचना जारी करने से पहले सरकार चाहती है कि करदाता और विशेषज्ञ अपने इनपुट साझा करें ताकि नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाया जा सके। हितधारकों की सुविधा के लिए आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक विशेष यूटिलिटी शुरू की गई है। हितधारक आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम और मोबाइल नंबर दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद ओटीपी आधारित सत्यापन के जरिए अपने सुझाव पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। सुझाव देते समय संबंधित नियम, उप-नियम या फॉर्म संख्या का स्पष्ट उल्लेख करना आवश्यक होगा। प्राप्त होने वाले सभी सुझावों का विश्लेषण विशेषज्ञों की समिति द्वारा किया जाएगा, जिसके बाद ही आयकर नियम, 2026 को अंतिम रूप दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य 1962 के पुराने नियमों की जगह आधुनिक और डिजिटल-फ्रेंडली नियम लाना है।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का क्रम रहा।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली। नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया। दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। बजाज ऑटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रॉयल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रॉयल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफॉर्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है दो दीवाने सहर में : संदीपा धर

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा दो दीवाने सहर में का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी।ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है।एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल-एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में दो दीवाने सहर में से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है।<संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म दो दीवाने सहर में का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया। हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया साइन

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- लव नो भवाड़ो और 3 चक्करम में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुडऩा मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में इस साइनिंग को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इशिका तोरिया के नए म्यूजिक और एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 का प्रदर्शन जारी, मर्दानी 3 का 7वें दिन निकला दम

सनी देओल की युद्ध ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिर पर अपना पूरा जोर लगाती दिख रही है। यह भारत में 300 करोड़ के क्लब में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच चुकी है। इसी के साथ सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 भी लगी हुई है, जो कछुए की चाल चलते-चलते अपना दम तोड़ने के बेहद करीब है। दोनों ही फिल्मों की ताजा कमाई के आंकड़े आ गए हैं। यहां जानिए किसने कितनी कमाई की है। सनी की फिल्म गदर 2 ने 300 करोड़ के क्लब में जगह बनाई थी, और अब उनकी हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 यह कारनामा दिखाने के बेहद करीब है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 14वें दिन 3.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जिसके बाद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 294.25 करोड़ रुपये हो चुकी है। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है जिसमें वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार में हैं। उधर 30 जनवरी को रिलीज फिल्म मर्दानी 3 एक हफ्ता भी खुद को संभाल नहीं पाई। कमाई धड़ाम से नीचे आ गई है। इसने 7वें दिन, यानी गुरुवार को महज 1.85 करोड़ कमाए हैं, जो छठे दिन 2.1 करोड़ रुपये के मुकाबले कम हैं। कुल मिलाकर रानी की फिल्म ने अब तक का सबसे कम कारोबार किया है जिसके बाद कुल कमाई 26.30 करोड़ रुपये हुई है। फिल्म के निराशाजनक प्रदर्शन ने मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की 'डकैत का टीजर रिलीज, अनुराग कश्यप का दिखा दमदार अंदाज

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड 'डकैत का टीजर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर से फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में पता चलता है। 'डकैत का टीजर तो रिलीज हो गया है, लेकिन अभी ये टीजर सिर्फ 'तेलुगु में रिलीज किया गया है। यानी हिंदी दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। 1 मिनट 31 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत आदिवी शेष से होती है। टीजर में पहले लव स्टोरी देखने को मिलती है, जो धीरे-धीरे एक्शन पर पहुंच जाती है। टीजर में आदिवी शेष लवर बॉय से लेकर एक्शन हीरो तक के अवतार में दिखते हैं। जबकि मृणाल ठाकुर एक बार फिर सुंदर लगी हैं। इसके अलावा टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी की भी झलक दिखती है। टीजर का अंत अनुराग कश्यप पर होता है, जो फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। शनिल देव द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 19 मार्च को 'धुरंधर का पार्ट 2 और यश की 'टॉक्सिक भी रिलीज होनी है। ऐसे में 'डकैत की टक्कर दो बड़ी फिल्मों से होनी है। अब देखना ये है कि आने वाले वक्त में इनमें से किसी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ती है या नहीं। फिलहाल तो 19 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा क्लैश होने की संभावना है।

शूटिंग से पहले के रिकॉर्ड, अल्लू अर्जुन-लोकेश कनगराज की परियोजना ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और स्टार डायरेक्टर लोकेश कनगराज की आने वाली फिल्म शूटिंग शुरू होने से पहले ही इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन गई है। इस प्रोजेक्ट का अनाउंसमेंट वीडियो, जिसे एए23 नाम दिया गया है, रिलीज होते ही फिल्म प्रेमियों का ध्यान खींचने में कामयाब हो गया है। हालांकि कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसके प्रस्तुतीकरण ने फिल्म को लेकर उम्मीदें बेहद बढ़ा दी हैं। अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाए गए स्टाइलिश विजुअल्स के साथ-साथ म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध द्वारा तैयार किया गया दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। खासकर इंस्टाग्राम पर फैंस इस थीम म्यूजिक के साथ रील्स बना रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही अनाउंसमेंट म्यूजिक पर लाखों रीलें बन जाने से टॉलीवुड और कॉलीवुड दोनों में खूब चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि एए23 अनाउंसमेंट थीम पर 35 लाख से ज्यादा रीलें बन चुकी हैं। इसके साथ ही, बिना किसी टीज़र या झलक के फिल्म ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक अनोखा रिकॉर्ड बना लिया है। इंडस्ट्री के सूत्र भी हैरानी जता रहे हैं क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी फिल्म के अनाउंसमेंट से जुड़े म्यूजिक को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। डिजिटल युग में, फिल्म की शुरुआत से ही दर्शकों को प्रभावित करना बेहद जरूरी हो गया है। इस लिहाज से, एए23 टीम ने बखूबी सफलता हासिल की है। इसके अलावा, लोकेश कनगराज के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में वर्णित इस फिल्म के बारे में चल रही चर्चा भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है, क्योंकि यह एक विशेष कहानी पर आधारित है। इस बड़े बजट की फिल्म का निर्माण मशहूर प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स कर रहा है। प्रशंसक पहले से ही यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय लोकप्रियता और लोकेश कनगराज के एक्शन का संगम कैसा जादू बिखेरेगा। शूटिंग शुरू होने से पहले ही जो दीवानगी देखने को मिल रही है, उससे साफ पता चलता है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी धूम मचाने वाली है।

स्वयंभू के मेकर्स का बड़ा ऐलान! निकिल सिद्धार्थ स्टारर फिल्म 13 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टेक्निशियन और क्रिएटर्स डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी, केजीएफ और सलार के म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंटिल कुमार, बाहुबली के एडिटर तम्मिराजू और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार, सब मिलकर इस बड़ी फिल्म को बना रहे हैं, जिसकी शूटिंग 170 दिनों तक चली। फिल्म को पिक्सल स्टूडियोज के भूवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है! दिन की सबसे बड़े ऐलान का वक्त आ गया है, क्योंकि कार्तिकेय फ्रेंचाइज़ के पीछे चेहरा रहे निखिल सिद्धार्थ अब एक अलग ही अंदाज़ की ऐतिहासिक महागाथा स्वयंभू के साथ लौट रहे हैं। हम देखते हैं कि वो बिल्कुल शानदार और भव्य अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं, और फिल्म का ऐलान भी एक रैप-अप वीडियो के ज़रिए किया गया है, जो किसी प्रोजेक्ट को पेश करने का सच में अनोखा तरीका है। इसमें फिल्म की भव्यता, दमदार एक्शन, शानदार स्टार कास्ट और एक आम आदमी की उस महाकथा की झलक मिलती है, जो आगे बढ़कर एक योद्धा बन जाता है। निखिल, जिन्होंने पैन-इंडिया सुपरहिट कार्तिकेय 2 से पूरे देश में पहचान बनाई, अब अपनी महत्वाकांक्षी 20वीं फिल्म स्वयंभू के साथ फिर से दर्शकों को बांधने आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर बन रही यह ऐतिहासिक एक्शन फिल्म भरत कृष्णमाचारि द्वारा निर्देशित है, और इसे भूवन और श्रीकर पिक्सेल स्टूडियोज के तहत बना रहे हैं, जबकि टैगोर मधु इसे पेश कर रहे हैं। बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू और दमदार पैन-इंडिया सोच के साथ, स्वयंभू निखिल की अब तक की सबसे खास फिल्मों में से एक बन रही है। आज मेकर्स ने बड़ा अपडेट दिया है, यह बताते हुए कि इस भव्य फिल्म का शूट आधिकारिक तौर पर पूरा हो चुका है। दो साल की मेहनत और 170 दिनों की लंबी शूटिंग के बाद, टीम ने गर्व के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अनन्त शान को सलाम करने वाली यह एपिक फिल्म स्वयंभू इस महा शिवरात्रि यानी 13 फरवरी 2026 को दुनिया भर के थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। इस अनुभव को चुनौती भरा और रोमांचक बताते हुए, निखिल ने राइज़ ऑफ़ स्वयंभू नाम के रिलीज़ डेट अनाउंसमेंट वीडियो में इस सफर के बारे में बात की, जिसमें दुनिया बनाने और फिल्म के भव्य निर्माण की झलक मिलती है। जो एक फिल्म के रूप में शुरू हुआ था, वह जल्दी ही एक बड़े विश्व में बदल गया, जिसे कई एकड़ में बने विशाल सेट्स और शानदार मेहनत से तैयार किया गया। करोड़ों की लागत और प्रोड्यूसर भूवन और श्रीकर की पूरी लगन के सहारे, टीम एक ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ी और वो थी इस अनोखी कहानी को बड़े पर्दे पर शानदार तरीके से पेश करना। भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी स्वयंभू उन कहानियों में जाती है जो अब तक कहीं नहीं बताई गईं, ऐसी बातें जो सिर्फ राजा-महाराजाओं और युद्धों की आम कहानियों से कहीं आगे बढ़ती हैं। इसके बीच में एक ऐसे जबरदस्त योद्धा की गाथा है, जिसकी बहादुरी ने एक पूरा समय बदल दिया। वीडियो में निखिल अपने घोड़े मारुति को भी दिखाते हैं और बताते हैं कि उनकी बड़ी फिल्म बनाने में किस शानदार टीम ने मेहनत की है। इस मुश्किल रोल को असली तरह से निभाने के लिए निखिल ने अपने शरीर में बड़ा बदलाव किया और खूब मेहनत वाली ट्रेनिंग की। उन्होंने हिंदी वर्ज़न में अपनी आवाज़ भी खुद ही दी, ताकि कहानी और भी सच जैसी लगे। फिल्म में साम्युक्था और नाभा नटेश फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। कैमरा का काम विजुअल मास्टर केके सेंथिल कुमार ने संभाला है, जो बाहुबली, आरआरआर जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुके हैं। संगीत का जिम्मा रवि बस्रूर ने लिया है, जो केजीएफ और सालार के लिए भी म्यूज़िक बना चुके हैं। प्रोडक्शन डिजाइन एम. प्रभाहरण और रवींद्रा ने किया है, जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म की शानदार दुनिया तैयार की है। अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है, स्वयंभू का सफर शुरू हो गया है, और इस तरह से पैन-इंडिया फिल्म के लिए लोगों की उत्सुकता तेजी से बढ़ रही है।

Private Schools Exploit Weak Govt System with Skyrocketing Fees

Sagar Suraj

MOTIHARI: Education in East Champaran is morphing from a public right into a lucrative business, as crumbling government schools drive desperate parents into the arms of exploitative private institutions. Government schools here grapple with dilapidated infrastructure, chronic teacher shortages, and eroded trust, leaving families no real choice. Private schools have mushroomed, capitalizing on this vacuum with impunity despite official orders and inspections in east champaran. District Magistrate of East Champaran Saurabh Jorwal tightened the noose of private school's operators leaving them in tizzy. Arbitrary annual fee hikes top the grievances. Schools slap on extras like development charges, activity fees, smart class fees, and re-admission costs, creating a payment labyrinth.

Late payers face coercion: Children barred from class or results withheld. Books and uniforms pile on the pain. Parents must buy overpriced versions only from school-vetted shops. Frequent edition changes scrap old books, while logo-branded uniforms, belts, shoes, and accessories drain middle- and low-income wallets. Admission, registration, and even transfer certificates now generate revenue, with no government fee benchmarks. Post-pandemic, dubious charges for apps and digital IDs linger without transparency. The toll extends beyond finances. Questioning parents endure student humiliation, scolding,

or threats of name deletion, fostering a culture of fear. Many schools flout the Right to Education Act's 25% free seats for disadvantaged kids. Courts have ruled against profiteering and capitation fees, though governments can't cap rates directly. New regulations aim for oversight, but delayed rollout hampers them. Recent DMs directives signal action, yet enforcement falters. Sub-Divisional officers(SDOs) visited earmarked schools with strong warnings to stop extortion from parents on varied pretext.

Parents plead for reform: "Strengthen public schools, and this exploitation ends," says one father. Until government education rebuilds from infrastructure to accountability private dominance will squeeze families harder.

I-T Dept releases draft rules forms for new income tax Act

New Delhi, Agency: The Tax Department on Saturday released draft rules and forms under the new Income Tax Act, 2025, which proposes to simplify the provisions and reduce compliance burden for ease of understanding and make it taxpayer-friendly.

A new and simplified Income Tax Act, 2025, which will replace the over six-decade-old Income Tax Act of 1961, will come into effect from April 1.

The Income Tax Department has sought comments from stakeholders on the draft Income-tax Rules, 2026, and forms by February 22. Thereafter, the rules and forms under the new Act will be notified.

The Income-tax Rules, 1962 contains 511 rules and 399 forms. As a result of the changes proposed in the new rules and forms, including the removal of redundancy and consolidation of rules wherever possible, the draft Income-tax Rules, 2026 contains 333 rules and 190 forms, the I-T department said while inviting stakeholder comments. With regard to the new I-T forms, it said that they have been simplified to a large extent. Standardisation of common information has been done with a view to reducing the compliance burden of the taxpayers.

Shia Muslims protest in Kashmir over deadly blast at Islamabad mosque

JAMMU, Agency: Hundreds of Shia Muslims on Saturday staged spontaneous protests in various parts of Kashmir to condemn a suicide bombing at the Khadija Tul Kubra Mosque in Islamabad that killed at least 31 people and wounded more than 169 others.

The attack took place during Friday prayers in Pakistan's capital city. The attack on a Shia place of worship triggered strong reactions in Kashmir, with demonstrations reported in Srinagar, Baramulla, and Bandipora on Friday and Saturday.

In Magam town of central Kashmir, women protesters raised slogans against the Pakistani govt and denounced the targeting of Shia Muslims. Some demonstrators raised slogans in support of Syed Hassan Nasrallah, Palestine, and Hezbollah. The protests remained peaceful, with participants expressing solidarity with the victims in Pakistan.

"We stand with the victims and we are against the Pakistani govt," one woman protester said, adding, "We want to ask the Pakistan govt why we are being killed."

All J&K Shia Association Chinabal (Pattan) raised slogans against Pakistan on Friday evening and demanded immediate action against those responsible. They also raised pro-India slogans. In the Sumbal area of Ganderbal district, protesters carrying the Indian tricolor raised anti-Pakistan govt slogans.

'Decisive boost to Make in India': UP CM Yogi Adityanath on India-US trade deal framework

LUCKNOW, Agency: Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath on Saturday lauded the interim framework for the US-India trade agreement, stating that this delivers a decisive boost to Make in India.

Calling the announcement of the framework "a landmark step", Yogi Adityanath emphasised that this will expand global market access for Indian products.

He thanked Prime Minister Narendra Modi, hailing his "decisive and dynamic leadership" for securing an "India-first" agreement.

"A landmark step in strengthening the India-US economic partnership. This interim trade framework delivers a decisive boost to Make In India, expanding global market access for Indian products while safeguarding farmers,

food security, and rural livelihoods," Yogi Adityanath said in a post on X. "We are thankful to our Hon PM Narendra Modi for his decisive and dynamic leadership in securing a balanced, reciprocal, and India-first agreement that empowers MSMEs, energises exports, strengthens supply chains, and creates new opportunities for youth," he added.

India and the US announced a framework for an Interim Agreement regarding reciprocal and mutually beneficial trade. The joint statement said that the framework reaffirms the countries' commitment to the broader Bilateral Trade Agreement (BTA) negotiations, launched by President Donald Trump and Prime Minister Narendra Modi on February 13, 2025, which will include additional market access commitments and support more resilient supply chains.

As per the joint statement, the US will apply a reciprocal tariff rate of 18 per cent on Indian-originating goods, including textiles and apparel, leather and footwear, plastic and rubber, organic chemicals, home decor, artisanal products, and certain machinery. The United States will also remove tariffs on certain aircraft and aircraft parts from India, which were imposed to address national security threats, the joint statement said. According to the statement, India will eliminate or reduce tariffs on all US industrial goods and a wide range of food and agricultural products, including dried distillers' grains (DDGs), red sorghum for animal feed, tree nuts, fresh and processed fruit, soybean oil, wine and spirits, and additional products.

India, US discuss ways to boost collaboration in critical, emerging defence tech

NEW DELHI, Agency: India and the US have discussed ways to strengthen collaboration in "critical and emerging defence technologies" to meet the evolving requirements at a key meeting hosted here, officials said.

Defence Research and Development Organisation (DRDO) hosted the 24th Indo-US Joint Technical Group Plenary Meeting in New Delhi on Feb 3 and 4, they said. As per the statement, the plenary was conducted in line with the vision and policy guidance of the framework for India-US major defence partnership signed by defence minister Rajnath Singh and the US secretary of war Pete Hegseth in Oct 2025. The delegations also reviewed the ongoing cooperation in defence science and technology, discussed associated challenges, and examined proposals to further strengthen collaboration in critical and emerging defence technologies to meet the evolving requirements.

The statement further noted that the discussions also focused on enhancing the participation of university-affiliated research centres, defence laboratories and industries in cooperative research and development initiatives. Additionally, the

meeting explored potential collaboration between DRDO, and the defence innovation unit under the innovation bridge framework and concluded with the signing of a project agreement. The meeting was co-chaired by director general (production coordination and services interaction), DRDO, Chandrika Kaushik, and assistant secretary of war for critical technologies, office of the under secretary of war for research and engineering, Michael Francis Dodd, the defence ministry said.

When three words can shatter a life: How triple talaq robs women of their 'haq

New Delhi, Agency: Instant triple talaq isn't some abstract religious custom - it's a brutal power play that shatters lives in seconds. A husband utters three words, and a woman loses her home, income, and future.

"Some marriages are 6 months old, but some are also 10 years old. It all ended in a moment," says Nazreen Ansari, national president of Muslim Mahila Foundation. "In one instance, a husband living in Saudi Arabia divorced his wife through an email message. The woman was uneducated and helpless - she had no means of seeking justice."

When a marriage ends impulsively, women bear the full blow. Joint accounts freeze, bills mount, and "adjusting" becomes code for suffering silently to avoid scandal.

Even with adult children or parents, support often evaporates. Priyanka Sharma, counselor at Shanti Sahyog, shares: "Who bears the blow of impulsive actions? The woman does. The man can break away, but her family may refuse to remarry her." The real question isn't "What does the law say?"-it's "Where will she go?" and "Who will pay?" This isn't courtroom theater; it's a doorstep disaster.Picture a ration list slashed, a landlord pounding for rent, school fees piling up unpaid, and a phone buzzing with sympathy laced with judgment.

International oil cargo smuggling racket busted in mid-sea operation: Indian Coast Guard

New Delhi, Agency: The Indian Coast Guard on Saturday said it has busted an international oil smuggling racket by apprehending a set of vessels linked to it, about 100 nautical miles west of the coast of Mumbai, as part of a mid-sea operation.

The vessels involved had devised a method to smuggle large volumes of cheap oil and oil-based cargo from the "conflict-ridden countries and profit by mid-sea transfer to motor tankers in international waters", the Indian Coast Guard (ICG) said. The "daring mid-sea operation", initiated through digital surveillance and enforced through the ever-expanding maritime presence of the Indian Coast Guard, once again establishes India as a "net provider of maritime safety and enforcer of the international rules-based order", the ICG said in a statement.

"Three vessels were intercepted by ICG ships, about 100 nautical miles west of Mumbai, on February 5, and through sustained rummaging, corroboration of electronic data onboard the suspect vessels and verification of documents and interrogation of crew, the ICG's specialist boarding team established the chain of incidents and the modus operandi of the criminals," the Coast Guard said.

The vessels were found to frequently change identity to evade law enforcement actions by coastal states. The vessel owners are based in other countries, according to initial investigations, the maritime force said.

The syndicate consist of a network of handlers operating from various countries, coordinating the sale and transfer between seagoing vessels, it said.

Sharing the sequence of events, the ICG said its "tech-inclusive systems" detected a motor tanker conducting "suspicious activity" in the Indian Exclusive Economic Zones, prompting a digital investigation into the actions of the vessel.

"The ICG undertook data pattern analysis of other vessels closing in on the vessel, and identified two other vessels as possible suspects, involved in illicit transfer of oil-based cargo at sea, evading significant duties owed to the coastal states, including India," the statement said. "On February 5, ICG specialist teams boarded the vessels and confirmed the accuracy of the digital evidence, leading to the apprehension of the vessels," it said.

The vessels are likely to be escorted to Mumbai for further investigation and handed over to the Indian Customs and law enforcement agencies for action, the ICG said.

The Ministry of Defence, later in a post on X, said "three vessels involved in illicit mid-sea transfer of oil" were intercepted off the west coast near Mumbai. It also shared some photos.

"Indian Coast Guard successfully busted an international oil smuggling racket through a coordinated sea-air operation. Leveraging tech-enabled surveillance and maritime dominance, three vessels involved in illicit mid-sea transfer of oil were intercepted off the west coast near Mumbai," it said."The operation reaffirms India's resolve to safeguard maritime interests and uphold the rules-based order at sea. @IndiaCoastGuard #MaritimeSecurity," it said.